

संक्षिप्त समाचार

15 अक्टूबर तक देश से विदा हो सकता है
मानसून, डेढ़ दशक के सबसे तेज विदाई रिकॉर्ड की होगी बराबरी

नई दिल्ली। देश भर से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, 15 अक्टूबर के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे देश से विदा हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह हाल के वर्षों में मानसून की सबसे तेज विदाई से से एक मानी जाएगी। इसके साथ ही दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून के आगमन के लिए भी परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन रही हैं, जिससे कई दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 15 से 21 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की पूर्ण वापसी के साथ ही प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तटीय इलाकों में पूर्वोत्तर मानसून की बारिश दसक दे देगी। इस दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

अनुराग ठाकुर बोले- कानून से ऊपर कोई नहीं, चुनाव हारने पर संवैधानिक संस्थाओं को दोषी ठहराता है विपक्ष

कांगड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर भाजपा तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या की जानकारी भी देनी पड़ती है।

बोकारो के वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में बड़ा हादसा, गैस की चपेट में आने से दो कर्मचारियों की मौत

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोड़ी थाना क्षेत्र स्थित वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में सुबह एक हादसे में दो कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस-1 के भीतर काम करने के दौरान हुई। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि दोनों कर्मचारी किसी जहरीली गैस के संपर्क में आ गए थे, जिससे उनकी तत्बीज अचानक बिगड़ गई। हालांकि, मौत के असली और आधिकारिक कारणों की पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। मृतकों की पहचान हजारीबाद के रहने वाले सोहन महता और धनबाद के रहने वाले समीर अंसारी के रूप में हुई है।

राहुल-प्रियंका का बस...पैदल और खुली गाड़ी से मार्च

सीईसी के खिलाफ याचिका दाखिल...सुप्रीम कोर्ट तक किया प्रदर्शन

नई दिल्ली/ एजेंसी

वोट चोरी' के आरोपों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट तक विरोध मार्च निकाला। मार्च में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत विपक्षी दलों के कई नेता शामिल हुए। प्रदर्शन से जुड़े मामले में राहुल गांधी के नाम से याचिका सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दर्ज हुई, जबकि 11 विपक्षी नेताओं को एक जनहित याचिका में याचिकाकर्ता बनाया गया। मार्च से पहले राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी सरकार पर सीईसी ज्ञानेश कुमार को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि

सरकार के 200 अधिकारी विपक्ष के संपर्क में हैं और उसे जानकारी दे रहे हैं। विरोध मार्च के मद्देनजर दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और सुरक्षा कारणों से छह मेट्रो स्टेशनों पर शाम 4 बजे तक प्रवेश और निकास बंद रखे गए। इस बीच, गृह मंत्रालय ने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया और दिल्ली में प्रदर्शन के लिए तीन अन्य स्थान तय किए। जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट 13 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर केन्द्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इंडिया ब्लाक के सुप्रीम कोर्ट मार्च से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली



सरकार ज्ञानेश कुमार को बचा रही है। उन्होंने दावा किया कि लाखों लोग चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पहुंचने से रोकने और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली को किले में तब्दील कर दिया गया है और लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की कार्रवाई के बावजूद विपक्ष अपना विरोध जारी रखेगा। उन्होंने दावा किया कि पुलिस और सुरक्षा बलों के

कई जवान भी उनके आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए दावा किया कि सरकार के करीब 200 अधिकारी विपक्ष के संपर्क में हैं और उन्हें जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बचाकर सरकार बड़ी गलती कर रही है। राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य अधिकारियों पर भी आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल हैं। राहुल गांधी ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष और उन्होंने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर लोकतंत्र और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर चिंता जताई थी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं, अब रामलीला मैदान, बुराड़ी और सीबीडी ग्राउंड होंगे नए धरना स्थल

राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। तृतीयरा दिल्ली में रिकत प्रसिद्ध जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के आधिकारिक स्थान की सूची से बाहर कर दिया गया है। गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत लिए गए इस फैसले के बाद अब राजधानी में किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन के लिए तीन नए और बड़े स्थान चिन्हित किए गए हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार, अब किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या नागरिक समूह को प्रदर्शन करने के लिए जंतर-मंतर की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उद्धव ठाकरे को एक और झटका!

राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे ने पार्टी से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और प्रमुख हिंदीभाषी नेता आनंद दुबे ने शिवसेना की प्राथमिक सदस्यता और राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से आधिकारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। आनंद दुबे के इस कदम के बाद उद्धव ठाकरे गुट ने महाराष्ट्र और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का एक प्रमुख, मुखर और चर्चित हिंदीभाषी चेहरा खो दिया है। आनंद दुबे के इस अचानक उठाए गए कदम के पीछे बीते कुछ समय से पार्टी की विचारधारा और उनके



निजी बयानों के बीच बढ़ रही वैचारिक भिन्नता को मुख्य वजह माना जा रहा है। अपने बयान में आनंद दुबे ने खुद स्वीकार किया कि पिछले कई महीनों से वे पार्टी के रुख और बयानबाजी से काफी असहज महसूस कर रहे थे और घुटन में थे।



नई दिल्ली के कर्नाट प्लेस में लोगों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

बंगला साहिब में हंगामा मामले में

केजरीवाल और आप नेताओं के नाम एफआईआर दर्ज.....

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की शिकायत पर पुलिस ने बंगला साहिब गुरुद्वारे में हुई गड़बड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में आम आदमी पार्टी के नेताओं, विधायकों और अरविंद केजरीवाल का नाम लिया गया है और आरोप लगाया गया है कि पार्टी के सदस्य गुरुद्वारे के परिसर में घुसे और नरेंद्र लगाए। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर इस घटना को गलत तरीके से पेश किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और उपलब्ध वीडियो फुटेज की जांच



कर रही है। आगे की जानकारी का इंतजार है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के विरोध-प्रदर्शन दौरान दिल्ली पुलिस के गुरुद्वारा बंगला साहिब में घुसने पर, बंगला साहिब गुरुद्वारे के चेयरमैन भूपिंदर सिंह भुल्ल ने कहा, कल जो प्रदर्शनकारी गुरुद्वारे में घुसे थे।

डिप्टी कलेक्टर पर दहेज उत्पीड़न का आरोप

शादी के दूसरे दिन ही पत्नी से मांगे तीन करोड़ और कार.....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर मनोज बंजारे पर दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। डिप्टी कलेक्टर और उनके परिजनों के खिलाफ उनकी पत्नी ने प्रताड़ना, मारपीट और करोड़ों रुपये दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आग के ग्राम भानसोज निवासी पूजा बंजारे का विवाह जुलाई 2024 में धमतरी के जोधापुर वार्ड निवासी मनोज



बंजारे के साथ हुआ था. मनोज बंजारे राज्य प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत हैं. पीड़िता का आरोप है कि विवाह के दौरान उनके परिवार ने घरेलू सामान, सोने की चेन और अन्य उपहार दिए थे. इसके बावजूद शादी के महज दूसरे दिन

से ही ससुराल वाले कम दहेज मिलने को लेकर ताने देने लगे. पीड़िता का आरोप है कि पति मनोज बंजारे, सास ललिता बंजारे और ससुर कमल सिंह बंजारे लगातार एक लगड़ता कर और 2 से 3 करोड़ रुपये नकदी की मांग कर रहे थे. शिकायत में इसकी भी उल्लेख है कि 4 जनवरी 2025 को मनोज बंजारे ने पीड़िता पर दबाव बनाया कि वह अपने मायके की जमीन बेचकर 2-3 करोड़ रुपये लेकर आए. मना करने पर मारपीट की गई.पीड़िता का कहना है कि गर्भावस्था और प्रसव के बाद भी ससुराल वालों का अत्याचार कम नहीं हुआ.

ज्वेलरी शॉप के बाहर

2 साल की बच्ची ने चखा साइनाइड, मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के मेडचल-मलकजगिरी जिले में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां आधुषणों के काम में इस्तेमाल होने वाला बेहद जहरीला केमिकल मुंह में रखने से 2 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृत बच्ची की पहचान चैतल निवासी गोपी कृष्ण और मनोज बंजारे ने पीड़िता पर दबाव बनाया कि वह अपने मायके की जमीन बेचकर 2-3 करोड़ रुपये लेकर आए. मना करने पर मारपीट की गई.पीड़िता का कहना है कि गर्भावस्था और प्रसव के बाद भी ससुराल वालों का अत्याचार कम नहीं हुआ.

जेएनयू की 11 छात्राओं ने लगाए थे आरोप

कांग्रेस सांसद अकोइजाम के खिलाफ एफआईआर दर्ज.....

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में कांग्रेस सांसद और प्रोफेसर अंगोमना बिमोल अकोइजाम द्वारा कथित तौर पर 11 महिला छात्राओं के यौनशोषण के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में यूनिवर्सिटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर की शिकायत पर अकोइजाम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। वहीं बीजेपी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं की चुप्पी को लेकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों के मुताबिक, रविवार (11 अक्टूबर) को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में भारतीय



न्याय संहिता की धारा 75, 75(1) (i), 75(1) (ii) और 79 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में कांग्रेस सांसद और बर्खास्त जेएनयू प्रोफेसर अंगोमना बिमोल अकोइजाम का नाम शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस मामले की जांच

कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई में कम से कम 11 महिला छात्रों ने अकोइजाम के खिलाफयौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतों में आरोप लगाया गया कि उन्होंने छात्रों को बैठकों या समारोहों के बहाने अपने कैमरा आवास पर बुलाया और उनका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। कुछ छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने कक्षा में अश्लील और अनुचित टिप्पणियां कीं। बताया गया है कि आरोपों और शिकायतों की जांच विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें बर्खास्त करने के फैसले से पहले की गई थी।

आज से शुरू होगी टिकटों की बिक्री-250 से शुरू होंगे टिकट

राजधानी रायपुर पहुंची भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमें...

नई दिल्ली/ एजेंसी

रायपुर में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का रोमांच शुरू होने वाला है। तीन मैचों की इस सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम शाम रायपुर पहुंच गई। टीम की कप्तान स्मृति मंधाना समेत सभी खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से होटल ले जाया गया। वहीं, आज जिम्बाब्वे की टीम रायपुर पहुंची है। दोनों टीमों के अभ्यास की तैयारी है। इस बीच सीरीज के मुकाबले देखने के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री आज, 12 अक्टूबर को शाम 4 बजे से शुरू होगी। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 16, 18 और 20 अक्टूबर को तीनों टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। सभी मैच शाम 7 बजे शुरू होंगे।

रायपुर में पहली बार भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच इस सीरीज के मुकाबले होने से स्थानीय क्रिकेट प्रशंसकों को अपने शहर में अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। मैचों के लिए आयोजकों ने अलग-अलग श्रेणियों में टिकट की कीमतें तय की हैं। सबसे सस्ता टिकट लोअर स्टैंड का 2250 रखा गया है। वहीं, दर्शक तीनों मुकाबलों के लिए सीरीज टिकट भी खरीद सकेंगे, जिसकी कीमत 7499 है। इसके अलावा दो और चार लोगों के लिए कॉम्बो टिकट की व्यवस्था भी की गई है। टिकटों की बिक्री केवल ऑनलाइन होगी। दर्शक Ticketgenie ऐप के जरिए डिजिटल टिकट खरीद सकेंगे। टिकट बुक करने वाले एक यूजर को अधिकतम छह टिकट खरीदने की अनुमति होगी। ऑफलाइन टिकट बिक्री की व्यवस्था नहीं रखी गई



है। स्टेडियम में प्रवेश के लिए टिकट पर मौजूद क्यूआर कोड स्कैन किया जाएगा। इस सीरीज में स्मृति मंधाना भारतीय महिला टीम की फुल-टाइम कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी। शेफली वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जित्तिमणि कलिता और मिन्नु माणि भी शामिल हैं। टीम की कोशिश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने की होगी।

रायपुर लकी रहा स्मृति मंधाना के लिए,भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एम्बोकेट बनीं

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना इन दिनों रायपुर दौरे पर हैं। वे यहाँ 16 अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की त्रुंखला में भारत का नेतृत्व करेंगी। दूसरी ओर यूनिसेफइंडिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एम्बोकेट के रूप में नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में, मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व कार्य को आगे बढ़ाएंगी। यूनिसेफइंडिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एम्बोकेट के रूप में नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में, मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व कार्य को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकास को सीमित करती हैं। भारत की खेल आवकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। स्मृति मंधाना ने कहा, मैं यूनिसेफइंडिया की सेलिब्रिटी एम्बोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूँ।



भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

राज्यपाल रमेन डेका ने बंग समाज की 24 संकीर्तन टोलियों के लिए दिए वाद्य यंत्र

● संस्कार भारती की पहल से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलाकारों को मिलेगा प्रोत्साहन, क्षेत्र की 250 कला मंडलियों तक पहुंचने का लक्ष्य

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों में भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। राज्यपाल रमेन डेका ने संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के आग्रह पर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के बंग समाज की 24 संकीर्तन टोलियों के लिए वाद्य यंत्र एवं कार्यालयीन सामग्री प्रदान की है। शनिवार, 10 अक्टूबर को लोक भवन, छत्तीसगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में ये वाद्य यंत्र



प्राप्त हुए। बंग समाज वर्ष 1978 से अपनी आध्यात्मिक एवं संकीर्तन रंरंपराओं को संरक्षित करता आ रहा है। संस्कार भारती के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को इस विशिष्ट संस्कृतिक

जिले की लगभग 250 कला टोलियों तक पहुंचने का लक्ष्य

पवन कुमार पांडे ने बताया कि जिले में बंग समाज की संकीर्तन टोलियों के अतिरिक्त कुसमी, शंकरगढ़, राजपुर, बलरामपुर, रामानुजगंज, रामचंद्रपुर, महावीरगंज, वाझफनगर एवं सनावल सहित विभिन्न क्षेत्रों में कला एवं साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय लगभग 250 टोलियां हैं। इनसे जुड़े कलाकार वर्षों से अपनी प्रतिभा और परंपराओं को संजोते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार भारती का उद्देश्य कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ विशेष प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी तथा उनकी आर्थिक उन्नति के अवसर बढ़ाना है। संगठन के प्रांतीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग से क्षेत्रीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को नई दिशा मिल रही है। पांडे ने कहा कि बंग समाज की संकीर्तन टोलियों को वाद्य यंत्र उपलब्ध कराने की यह पहल अभी शुरुआत है। इससे क्षेत्र के कलाकारों में आत्मविश्वास बढ़ा है। उनका प्रयास रहेगा कि भविष्य में जिले की सभी कला टोलियों तक पहुंचकर उन्हें आवश्यक सहयोग, प्रशिक्षण एवं मंचीय अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने इस पहल के लिए राज्यपाल श्री रमेन डेका तथा संस्कार भारती के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कलाकारों को सम्मान, लोक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को संरक्षण और स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर दिलाना ही इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य है।

ग्रामीणों की समस्या सुनने मंत्री नेताम ने रुकवाया काफिला, टुकुनाला पर पुलिया निर्माण का दिया भरोसा

पुलिया के अभाव में बरसात के दौरान आवाजाही में परेशानी

रामानुजगंज। ग्राम पंचायत गम्हरिया के ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की समस्या सुनने के लिए क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम ने चिनियाँ खेल मैदान के पास अपना काफिला रुकवाया। ग्रामीणों ने गम्हरिया स्थित टुकु नाला पर पुलिया निर्माण की मांग रखी। मंत्री ने उनकी बात गंभीरतापूर्वक सुनते हुए आवश्यक पहल और यथाशीघ्र कार्रवाई के प्रयास करने का आश्वासन दिया। मंत्री नेताम अपने निवास से रामानुजगंज में आयोजित पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गम्हरिया के ग्रामीण एवं



जनप्रतिनिधि उनसे मिलने आ रहे हैं, लेकिन समय पर नहीं पहुँच सके। सूचना मिलते ही उन्होंने रास्ते में काफिला रुकवाकर सभी से आत्मीय मुलाकात की। ग्रामीणों ने बताया कि टुकु नाला से होकर गुजरने वाला मार्ग ग्राम पंचायत गम्हरिया को मुख्य सड़क से जोड़ता है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं

आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद समय निकालकर समस्या सुनने पर उपस्थित ग्रामीणों एवं जन प्रतिनिधियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जनपद सदस्य अशर्फी यादव, सरपंच सुषमा सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री इरफान अंसारी, उपसरपंच जयमंगल सिंह, बृथ अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, नरेश यादव, मंजूर आलम, कृष्णा यादव, रामलाल सिंह, देवनारायण सिंह, अरविंद यादव, मंसूर आलम, सुरेश यादव, प्रयाग यादव, विचारन राम रमेश सिंह राजू राम, पारसनाथ यादव, सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जांच टीम ने अल्ट्रा टेक सीमेंट प्लांट का किया निरीक्षण,कमियों को दूर करने नोटिस जारी



बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार संयुक्त दल द्वारा कारखाना अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कुकुरडीह का निरीक्षण किया गया। कारखाने में संग्रहित अपशिष्ट पदार्थों के रख-रखाव के संबंध में पायी गई कमियों को दूर करने हेतु कारखाना प्रबंधन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। इस दौरान संयुक्त दल द्वारा कारखाने में स्थापित शेड की जांच की गई एवं संग्रहित अपशिष्ट पदार्थों

के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। अपशिष्ट पदार्थों के बेहतर रख-रखाव सहित अन्य सुरक्षा मानकों के सम्बन्ध में जरूरी निर्देश दिये गए। नोटिस के सम्बन्ध में कमियों को दूर नहीं किए जाने पर कारखाने के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जाँच दल में उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी तथा खनिज विभाग के अधिकारी शामिल थे।

हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री , ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल

● सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के मरडीह, फुंगी और कुरमंतपारा का किया दौरा, हाथियों से हुए नुकसान का लिया जायजा

सरगुजा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित ग्राम मरडीह, फुंगी और कुरमंतपारा का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों, एसडीएम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर

अधिकारियों को दिए त्वरित राहत के निर्देश



ग्रामीणों से सतर्क रहने और वन विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील

मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से अपील की कि हाथियों की मौजूदगी के दौरान पूरी सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा वन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों की जागरूकता, सतर्कता और प्रशासन के साथ समन्वय से संभावित खतरों को कम किया जा सकता है। मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों को आश्चर्य किया कि शासन और प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान तथा प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा और राहत संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस दौरान वन विभाग के अधिकारी, एसडीएम, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने प्रभावित गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और हाथियों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों तथा उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और राहत संबंधी कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की। मंत्री अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाथियों से प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कर मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ पूरी की जाए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के कारण हुए नुकसान का

गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आकलन किया जाए। प्रभावित परिवारों के प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे मामलों में विभागीय समन्वय बनाए रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर शासन पूरी तरह संवेदनशील है। ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत दिलाने के लिए सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना होगा।

एलीट फुटबॉल एकेडमी के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर-

स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप में एलांस पब्लिक स्कूल बेमेतरा बना चैंपियन

बेमेतरा। स्थानीय पीजी कॉलेज बेमेतरा के खेल मैदान में एलीट फुटबॉल एकेडमी के तत्वाधान में दो दिवसीय अंतर-स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता में क्षेत्र के 8 प्रमुख विद्यालयों की टीमें ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। रोमांचक महानल मुकाबले में एलांस पब्लिक स्कूल बेमेतरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में प्रतिभागी 8 स्कूल: सुजन पब्लिक



स्कूल, बेमेतरा डीएवी, जाता प्रेरणा विद्यालय, कठिया ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, बेमेतरा जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), बेमेतरा पीएम श्री स्कूल, बोड़ला एलांस पब्लिक स्कूल, बेमेतरा स्वाामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, बेरला मुकाबलों के परिणाम: कांटेर फाइनल मैच:- डीएवी जाता ने सुजन पब्लिक स्कूल को 3-0 से हराया।। - प्रेरणा विद्यालय कठिया ने ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल को 2-0 से

शिकस्त दी।। - जेएनवी बेमेतरा ने पीएम श्री स्कूल बोड़ला को 2-0 से पराजित किया।। - कड़े मुकाबले में एलांस पब्लिक स्कूल ने स्वामी आत्मानंद स्कूल बेरला को 1-0 से मात दी।। सेमीफाइनल मुकाबले (10 अक्टूबर): पहले सेमीफाइनल में प्रेरणा विद्यालय कठिया ने डीएवी स्कूल जाता को 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।। - दूसरे सेमीफाइनल में एलांस पब्लिक स्कूल बेमेतरा ने जेएनवी बेमेतरा को 3-1 से पराजित किया।। खिताबी मुकाबला (फाइनल): फाइनल में एलांस पब्लिक स्कूल और प्रेरणा

विद्यालय कठिया के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें एलांस पब्लिक स्कूल ने उत्कृष्ट रणनीति और आक्रामक खेल का मुजाहिदा करते हुए प्रेरणा विद्यालय को 4-0 से एकतरफा अंतर से हराकर चैंपियन का खिताब जीता।। **व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार:** बेस्ट गोलकीपर: सुमित साहू (एलांस पब्लिक स्कूल) बेस्ट मिडफील्डर: स्वास्तिक (जेएनवी बेमेतरा) बेस्ट डिफेंडर: इशांत खरचे (प्रेरणा विद्यालय कठिया) बेस्ट स्ट्राइकर: सोहम पटेल (प्रेरणा विद्यालय कठिया) बेस्ट प्लेयर:

आदित्य पैकरा (एलांस पब्लिक स्कूल)। **समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण:** समापन समारोह के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू जी रहे। उन्होंने इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. आर. साहू सहित

विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, निदेशक, स्पोर्ट्स ऑफिसर्स एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्यों द्वारा विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन एलीट फुटबॉल एकेडमी के अध्यक्ष सुमित तिवारी द्वारा किया गया तथा अंत में आधार प्रदर्शन एकेडमी की सचिव मुशरफसुलताना द्वारा व्यक्त किया गया।

‘बस्तर मुन्ने’ में शामिल शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का मिले लाभ : कलेक्टर शर्मा

गरियाबंद। कलेक्टर रणवीर शर्मा ने आज कलेक्टोरेट कक्ष में ‘बस्तर मुन्ने’ में शामिल शासकीय योजनाओं के संबंध में बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, प्रमाण पत्रों तथा जनकल्याणकारी सेवाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।



उन्होंने योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक शासकीय सुविधाओं का लाभ पहुंचाने और विभिन्न सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पोर्टल में एंटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर मती ऋषा ठाकुर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर शर्मा ने व्यक्तिगत एवं परिवारमूलक श्रेणी को कुल 31 योजनाओं की समीक्षा की। व्यक्तिगत श्रेणी में आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, आधार कार्ड, आयुष्मान भारत, इंद्रिा गांधी

वृद्धावस्था पेंशन योजना, जन-धन खाता, जननी सुरक्षा योजना, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगता पेंशन योजना, निवास प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदना योजना, निचवा पेंशन योजना, विवाह प्रमाण पत्र, शिक्षा संबंधी सेवाएं तथा श्रमिक कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसी प्रकार परिवार मूलक श्रेणी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण

आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड, वन अधिकार पट्टा तथा स्वच्छ भारत मिशन को शामिल किया गया है। इन योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, आजीविका, कृषि, आवास, पेयजल तथा स्वच्छता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहायता प्रदान की जाती है। इसी प्रकार जाति, निवास, आय, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हैं। बैठक में योजनाओं की सूची के आधार पर संबंधित सेवाओं की उपलब्धता एवं उनके क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

प्रभु-वचनों के आलंबन से करें आत्मा को निर्मल मुनि संवेगरत्न सागर

रायपुर। विवेकानंद नगर के ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की प्रवचनमाला में शनिवार को मुनि संवेगरत्न सागर ने समझाया कि धर्मसभा में श्रवण की जा रही जिनवाणी ही आपको भव सुधार में मददगार होगी। प्रभु-वचनों के आलंबन से ही आत्मशुद्धि होगी। मुनिश्री ने कहा कि सदज्ञान से जुड़ने का केवल दिखावा करने से आत्मकल्याण नहीं हो सकता। धर्म का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होता है, जब प्रभु के वचनों को श्रद्धापूर्वक अंगीकार कर उन्हें अपने आचरण में उतारा जाए। यदि मन मलिन है और उसे निर्मल करने का पुरुषार्थ नहीं किया जाता, तो आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। मुनिश्री ने कहा कि सद्गुण का अभ्यास चौबीसों घंटे किया जा सकता है। प्रत्येक विचार, वचन और क्रिया को धर्ममय बनाने का प्रयास ही साधना को वास्तविक दिशा है। किंतु जब जीव दुर्ध्यान और कषायों से घिर जाता है, तब उसकी विवेक-बुद्धि प्रभावित होने लगती है और वह हितकारी शिक्षाओं को आत्मसात नहीं कर पाता। अतः साधक को निरंतर आत्मनिरीक्षण करते हुए अपने भावों को शुद्ध रखने का पुरुषार्थ करना चाहिए। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराम तुनिया एवं महासचिव सुरेश बरड़िया ने कहा कि वर्षावास के तहत धर्मसभा में प्रतिदिन ज्ञान की गंगा बह रही है। धर्म, ध्यान, तप, भक्ति, अराधना का क्रम निरंतर जारी है। शनिवार को धर्मसभा में शनिवार को मासक्षमण (30 उपवास) की तपस्या पूर्ण करने पर तपस्वी पलक छजेड़ का चातुर्मास समिति ने सम्मान किया। सभी श्रावकों ने तपस्वी की कठिन तपस्या की अनुमोदना की।

सिंधी मोहल्ले में कोतवाली पुलिस की दबिश, 2 लाख के 18 कार्टून पटाखे जब्त

रायपुर। दिवाली से पहले कोरबा में पटाखों के अवैध कारोबार का बड़ा मामला सामने आया है। शहर के सिंधी मोहल्ला पुरानी बस्ती में कोतवाली पुलिस ने दबिश देकर करीब 2 लाख कीमत के पटाखों का जखीरा बरामद किया है। गोदाम में बिक्री के लिए रखे गए अलग-अलग कंपनियों के 18 कार्टून पटाखे पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि सिंधी मोहल्ला पुरानी बस्ती में एक मकान के पास बने गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखों का अवैध रूप से भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गोदाम में दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को विभिन्न प्रकार के पटाखों से भरे 18 कार्टून मिले। पुलिस ने सभी पटाखों को जब्त कर लिया। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पटाखों को बिक्री के उद्देश्य से अवैध रूप से भंडारित किया गया था। कार्रवाई में बलराम जज़ासी पिता रमेश कुमार, उम्र 42 वर्ष, निवासी सिंधी मोहल्ला, पुरानी बस्ती को आरोपी बनाया गया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। कोरबा में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। दिवाली के पहले हुई इस कार्रवाई से अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों में हड़कंप मच गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे गोदाम तक कैसे पहुंचे? क्या इनके लिए वैध अनुमति थी? और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं? पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ इन सवालों के जवाब सामने आने की उम्मीद है।

निर्माणाधीन मकान से 3 लाख का इलेक्ट्रॉनिक व प्लंबिंग सामान चोर : चोर व खरीददार पकड़ाए

रायपुर। शहर में निर्माणाधीन मकान से इलेक्ट्रॉनिक और प्लंबिंग संबंधी सामान चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चोरी की वारदात को अंजाम देने के आरोपियों के साथ चोरी का सामान खरीदने के आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर करीब तीन लाख रुपये कीमत का चोरी का सामान बरामद किया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। जांचकाी के अनुसार, प्रार्थी गुलशन वासन के निर्माणाधीन मकान से 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2026 के बीच इलेक्ट्रॉनिक एवं प्लंबिंग संबंधी सामान चोरी हो गया था। मामले को शिकायत मिलने पर कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और पुछताछ के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई जांच के दौरान पुलिस ने चोरी करने तथा चोरी का सामान खरीदने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर बिजली के वायर, स्विच बोर्ड, लाइट, ट्यूक लाइट, स्ट्रीट लाइट, प्लंबिंग सामग्री सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल

छत्तीसगढ़ मध्य भारत के बड़े मेडिकल हब के रूप में हो रहा विकसित:मुख्यमंत्री साय

■ नवा रायपुर में 200 एकड़ में विकसित की जा रही आधुनिक मेडिसिटी और फार्मा पार्क

■ शहरों से लेकर सुदूर वनांचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर सरकार का फ़ैकस

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से मध्य भारत के एक बड़े मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक



को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं अपने प्रदेश में ही उपलब्ध हों तथा आर्थिक अभाव किसी भी ज़रूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल एवं कैंसर उपचार केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के

बीच रहते हुए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि ओमेगा अस्पताल का प्रस्तावित ऑन्कोलॉजी सेंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की उपलब्धता से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है।

उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के साथ पूरा परिवार कठिन दौर से गुजरता है। यदि उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़े तो परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां भी आती हैं। हमारी कोशिश है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता न्यूनतम हो और उन्हें अपने परिवार के

धरसीवां में सेवा संकल्प अभियान के तहत भव्य आयोजन किया गया

■ विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से दिखाई राष्ट्रप्रेम की भावना

■ नुक़ड़ नाटक से दिया नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश, युवाओं ने लिया विकसित भारत के निर्माण का संकल्प

रायपुर। संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत धरसीवां स्थित शासकीय पंडित श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय परिसर में ‘सेवा के रंग-राष्ट्र के संग’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति, कला, संस्कृति और

सामाजिक जागरूकता का अनुत्थ संगम देखने को मिला। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोली प्रदर्शनी और नुक़ड़ नाटक के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जिम्मेदारी एवं जनजागरूकता का संदेश दिया। आयोजन में सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना से ओतप्रोत आकर्षक रंगोलियां बनाई गईं। रंगोली प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रप्रेम, एकता और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार किया। रंगों के माध्यम से प्रस्तुत देशभक्ति की भावना ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक़ड़ नाटक रहा। इसके माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक कुरीतियों और जनजागरूकता से जुड़े विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

वन्यजीव सप्ताह का समापन संरक्षण के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित कर रहा वन विभाग : केदार कश्यप..

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को कला, रचनात्मकता और ज्ञान आधारित गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में वन्यजीव सप्ताह के समापन अवसर पर नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन के दंडकारण्य सभागार में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। आयोजन में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण और



प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखने का वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा रायपुर वनमंडल द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय के हरित समूह और प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से 2 से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह

शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर 18 लाख की ठगी अधिकारी बनकर दी गिरफ्तारी की धमकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यहां ठगों ने खुद को एटीएस अधिकारी बताकर एक शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट करने का डर दिखाया और करीब 18 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने शिक्षक के आधार नंबर का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में बैंक खाता खोलने और मनी लॉन्ड्रिंग में होने का दावा किया। पोंड्रित की शिकायत पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सद्दु विधानसभा क्षेत्र की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है। ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी में शिक्षक के पद पर कार्यरत अखिलेश कुमार मिश्रा ने साइबर धाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर को स्कूल से छुट्टी के बाद घर पहुंचने पर उन्हें एक अनजान नंबर से फ़ोन आया। फ़ोन करने वाले ने खुद को नया रायपुर एटीएस कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताया। आरोपी ने शिक्षक से कहा कि उनके आधार नंबर का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में बैंक खाता खोलने के लिए किया गया है। इस ख़ाते के ज़रिए मनी लॉन्ड्रिंग होने का दावा करते हुए उसने लखनऊ स्थित एटीएस कार्यालय से गिरफ्तारी वारंट जारी होने की बात कही।

केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी से सौर ऊर्जा अपनाना हुआ आसान

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से रोशन हुआ राजपूत परिवार का जीवन

■ स्वच्छ ऊर्जा के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे परिवार

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक खुशहाली का नया अध्याय लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए दी जा रही अतिरिक्त आर्थिक सहायता से यह योजना आम नागरिकों के लिए और अधिक लाभकारी बन रही है। केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी के सहयोग से अब घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाना आसान और किफायती

हो गया है। योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक परिवार न केवल बिजली बिल के खर्च से राहत प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। इस योजना की सफलता की प्रेरक मिसाल बेमेतरा शहर निवासी श्री बीरेन्द्र राजपूत का परिवार है। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती द्रौपदी राजपूत के नाम पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया। योजना के अंतर्गत उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जो आवेदन के मात्र 15 दिनों के भीतर लखनऊ स्थित एटीएस बैंक खाते में जमा हो गई। इस आर्थिक सहायता से सोलर पैनल स्थापित करने का वित्तीय बोझ कम हुआ और उनका परिवार बिजली के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सका। श्री बीरेन्द्र राजपूत बताते हैं कि सोलर पैनल लगवाने के बाद उनके



घर के बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले हर महीने बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली के कारण मासिक बिल शून्य या बेहद कम आ रहा है। इससे परिवार के घरेलू बजट में

राहत मिली है और बिजली बिल पर खर्च होने वाली राशि को बचत होने लगी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि रूफटॉप सोलर प्रणाली के माध्यम से घरेलू बिजली खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है। श्री बीरेन्द्र राजपूत बताते हैं

कि उनके घर में एक हॉर्स पावर की पानी की मोटर, एयर कंडीशनर सहित विभिन्न घरेलू विद्युत उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इन उपकरणों के संचालन के लिए बिजली की नियमित आवश्यकता होती है। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद दिन के समय सूर्य की रोशनी से बिजली का उत्पादन होने लगा है, जिससे ग्रीड से ली जाने वाली बिजली पर निर्भरता कम हुई है। ऑन-ग्रीड सोलर प्रणाली की विशेषता यह है कि सौर पैनल से उत्पादित अतिरिक्त बिजली ग्रीड में भेजी जा सकती है। वहीं आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता ग्रीड से बिजली प्राप्त कर सकता है। नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से बिजली के आयात और निर्यात का समायोजन होने से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बचत का लाभ मिलता है। श्री बीरेन्द्र राजपूत ने बताया कि पहले बिजली के खर्च और आपूर्ति में व्यवधान से परिवार को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से मिला स्वरोजगार का संबल,बेहतर हुई जिंदगी

■ सेवा की कहानी : प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से मिला स्वरोजगार का संबल, बेहतर हुई जिंदगी

रायपुर/ संवाददाता

छोटे कारोबार से परिवार की जरूरतें पूरी करने और बच्चों को बेहतर भविष्य देने की चाह रखने वाले ज़रूरतमंद लोगों के लिए अपना व्यवसाय शुरू करने हेतु पूंजी जुटाना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को आर्थिक सहयोग देकर स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। योजना के तहत मिले ऋण से महादेव पटेल ने अपने काम का विस्तार किया और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में कदम

बढ़ाए। लाभार्थी श्री महादेव पटेल पहले सीमित स्तर पर सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। आमदनी सीमित होने के कारण घरेलू जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने के लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत उन्हें पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहायता का उपयोग उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती सुलेखा पटेल के साथ ठेले पर पत्त का दुकान शुरू करने में किया। नियमित मेहनत और व्यवसाय से होने वाली आमदनी ने उनके परिवार को आर्थिक रूप से संबल दिया। कारोबार से आय बढ़ने के साथ घर की आवश्यकताओं को पूरा करना आसान हुआ और बच्चों की शिक्षा के लिए भी बेहतर अवसर उपलब्ध होने लगे। श्री पटेल बताते हैं, पहले छेटी-मोटी बिक्री से परिवार चलाने में काफी मेहनत करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से 15 हजार रुपये का ऋण मिलने पर पत्नी के साथ पत्त का व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला।

सेवा की कहानी: पति के निधन के बाद चार बेटियों का भविष्य संवारने का उदाया बीड़ा, सक्षम योजना से आत्मनिर्भर बनी इंदु लता गुप्ता



संपादकीय

देश के कई हिस्सों में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और संदेहों के बीच चुनाव आयोग ने ‘स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन’ (एसआईआर) के तहत एक विशेष अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर विशेष अभियान शुरू करने का फैसला ऐसे समय लिया है, जब उसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उसके

कई फैसलों को संदेह की नजर से देखा जा रहा है और आयोग को बार-बार स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है।सूचियों का मिलान। अभियान के तहत बीएलओ मीजूदा मतदाता सूची का एसआईआर से पहले की सूची से मिलान करेंगे। जिनके नाम पहले थे, पर अब नहीं हैं, उनकी स्थिति घर-घर जाकर जांची जाएगी। चुनाव आयोग और राज्य के चुनाव अधिकारियों के डेटा के मुताबिक, एसआईआर प्रक्रिया के बाद 9 राज्यों और

3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं में 10.2 प्रतिशत की कमी आई है।वताया जा रहा है कि करीब 13 करोड़ नाम कटे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सारे लोग योग्य थे और गलत तरीके से बाहर किए गए। 60 लाख से ज्यादा तो ऐसे मतदाताओं के नाम हटे हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। आयोग ने हर राज्य में प्रक्रिया पूरी होने के बाद बताया था कि कहां कितने मृत, डुप्लिकेट या स्थानांतरित नाम हैं। लेकिन, संख्या को

लेकर बार-बार विवाद हो रहा है। नई और पुरानी, दोनों वोटर लिस्ट के मिलान से पता चलने की उम्मीद है कि कोई वास्तविक नाम तो नहीं छूटा। चुनाव आयोग को इस दर्शन (फिलॉसफी) पर काम करना चाहिए कि एक भी योग्य मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। अगर प्रक्रिया जटिल है, तो इसका नुकसान जनता को नहीं होना चाहिए। हर बीएलओ को एक सप्ताह में 20 से 25 मतदाताओं तक पहुंचने का निर्देश

दिया गया है। एक महीने में वेरिफिकेशन का काम पूरा होने की उम्मीद लगाई जा रही है। अगले साल कई राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए एक समय सीमा निर्धारित करना बेहद जरूरी है। ये सारे मुद्दे और विवाद विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने के पहले तक सुलझ जाने चाहिए। यह ठीक नहीं होगा कि जब चुनाव चल रहे हों, तब आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुलियां उठ रही हों। इससे आखिरकार संस्था और

लोकतंत्र का नुकसान है। विशेष अभियान आयोग के लिए मौका है, जब वह सारे सवालों के जवाब दे सकता है। इसके लिए जरूरी है कि पूरी पारदर्शिता रखी जाए। अगर कोई योग्य नाम पुरानी सूची में था और नए में जगह नहीं पा सका, तो उसके पीछे का कारण भी सामने आना चाहिए। यह अच्छा है कि लिस्ट की मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बृथ लेवल एजेंट के साथ शेयर किया जाएगा।

अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे प्रधानमंत्री मोदी तथा चक्रव्यूह तोड़ पाएंगें?

(प्रो. संजय द्विवेदी)
ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था।

मोदी है तो मुमकिन है- यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को ‘मोदी की गारंटी’ कहा गया। यही विचार था जो मोदी को संगठन और विचार से बड़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। वह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सपनों के सौदागर भी हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं से लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है।

सुशासन, विकास और संवाद है मंत्र
ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा-पूरा था। अवसाद को चादर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं की इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह ‘नीतिगत जड़ता’ का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकान देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्टनायक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता है और वे संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेंगे। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया।

अति आत्मविश्वास से बचने की जरूरत
गुजरात और दिल्ली के ‘सत्ता साकेत’ में लगभग छई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष



और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलीक, एनटीए की नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग जैसे मुद्दे हैं। नरेंद्रख की जंग में मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार अतिआत्मविश्वास भी नुकसानदायक होता है। जनता सब कुछ कर सकती है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती। सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव और आपसी खींचतान के बाद भी सरकार न तो सदन चला पाई न सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मोदी थक गए हैं या वे थिर गए हैं?

सच्चाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकाबला करने की स्थिति में इस समय कोई दल या राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भौगोलिक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रुझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अक्षमेष के रथ को रोका जा सकता है।

बंगाल की जीत ने दिया भरोसा – अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों की असंभव सी दिख रही जीत ने भाजपा के काइर में

आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में असम की जीत तो संयुक्त है ही। अब पंजाब और उत्तर प्रदेश के मैदान में डटी भाजपा को यह साबित करना है कि अभी वह चुकी और थकी नहीं है। पंजाब में बहुत कमजोर खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को जीतने के लिए जिस तरह उतरी है, वह बात साबित करती है कि उसका यह भरोसा अकारण तो बिल्कुल नहीं है। नई नवेली आम आदमी पार्टी की सरकार वहां (पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन सकती है तो कोई कारण नहीं भाजपा भी ऐसे स्वप्न देखे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके पास योगी आदित्यनाथ जैसा फायर ब्रांड लीडर है, जिसके पास 10 सालों का सुनहरा अतीत है। सरकार के नेता पर कोई दाग नहीं है, गुड़ों पर लगाम है, सरप्लस एकोनामी है। यानी उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदल गया है। भौगोलिकसंदर्भ

सामाजिक समरसता पर संकट – फिर क्या कारण हैं कि नरेंद्र मोदी को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। कई जातीय समूह उन पर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कोई दल इस विषय को छू नहीं सकता। ‘समीक्षा’ जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी निशाने पर हैं। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर नहीं फैल रहा है, यह कहना गलत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाइंस ने अलग कबाड़ा किया। इससे मोदी विरोधियों को आग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इन प्रावधानों को रोककर सरकार की लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के

लिए यह सारे विवाद घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य संधान अगर समाज को बांटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है? इसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और जनाधारहीन नई नवेली ‘काक्रोच जनता पार्टी’ अनावश्यक चर्चा में आ गयी।

इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा। योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेंदु अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नाथब सिंह सैनी, मोहन गांधी, देवेंद्र फडनवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नासमझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मालिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी को ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है।

उत्तर प्रदेश में होगा देश का फैसला – भाजपा ‘मोदी समय’ में जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्वस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देंगे। संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है। सरकारीएजेंसियां(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समग्र विकास से सिद्धी



अखिलेश जैन, सीए

मोदी जी के 25 वर्षों के शासनकाल की भारत की यात्रा वास्तव में समग्र विकास से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासों की यात्रा है। अपरिवर्तनशील वास्तविकता है कि सूर्य पूर्व में ही उगता है उसी तरह शाश्वत सत्य है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत निराशा, भाई भतीजावाद, जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, कालेधन, जमाखोरी, आयात पर निर्भरता, तुट्टीकरण, संस्कृति का अपमान, गुलामी के प्रतीकों जैसी तमाम बेड़ियों को तोड़कर सुन्दर, सुखद, भविष्य के निर्माण हेतु रात-दिन एक करके, बिना रुके-बिना थके, बिना दौंगे-बिना बाँये देखे कठिन से कठिन अग्नि परीक्षा जैसी चुनौतियों को पार करके भविष्य निर्माण में जुटा हुआ है।

आज भारत का लक्ष्य, ध्येय, सपना, नारा, वचन तथा एक ही दशरथ नन्दन प्रभु श्री रामचन्द्र जी के श्री चरणों में प्रार्थना है- ‘विकसित भारतञ्च2047 ‘।

‘विकसित भारतञ्च2047’ लक्ष्य की गहराई को जानने वाले ही, लक्ष्य की गंभीरता को जान सकते हैं। नारा आसान है, लक्ष्य गंभीर है, ‘विकसित भारतञ्च2047’ के लक्ष्य सिद्धी के लिए उससे भी बड़ा तप करना पड़ेगा जितना तप महाराज भगीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए किया था। महाराज भगीरथ के कठोर तप से प्रसन्न होकर ब्रम्हा जी ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने का वरदान दिया था, महाराज भगीरथ का तप तो केवल एक सिद्धी गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए था पर मोदी जी के नेतृत्व में भारत का तप तो ‘विकसित भारतञ्च2047’ के लिए है, इस सिद्धि को पाने के पहले तमाम सिद्धियां पार करना पड़ेगी, तमाम बाधाओं को पार पाना पड़ेगा जो मुख्य सिद्धि के मार्ग में बाधा हैं, बाधाओं को दूर करने के साथ-साथ बाधाओं को दूर करने की गति को भी गति देना पड़ेगी।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ चुका है,12वीं अर्थव्यवस्था से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के कदम बढ़ा रहा है। महिलाएँ नीति निर्णय में भागीदार बन रही हैं, अर्थव्यवस्था की मजबूती व स्थायित्व में महिलाओं का योगदान लाने में भारत सफल हो रहा है, 2014 से भ्रष्टाचार की खबरों को मसाला न मिलने के कारण जनता में उत्साह का संचार करने में सरकार को बहुत बड़ी सफलता मिली है, इसके सकारात्मक परिणाम बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हैं, देश की सीमाएँ सुरक्षित हैं, परिन्दा भी पर नहीं मार पाता क्योंकि सरकार व सेना की कार्याहियों का लेखा जोखा नेत्रहीन भी तुल्य पड़ लेता है। सरकार का आतंकवाद विरोधी निर्णय देश में स्थिरता, शांति व प्रगति लाने में सहायक हुआ है।

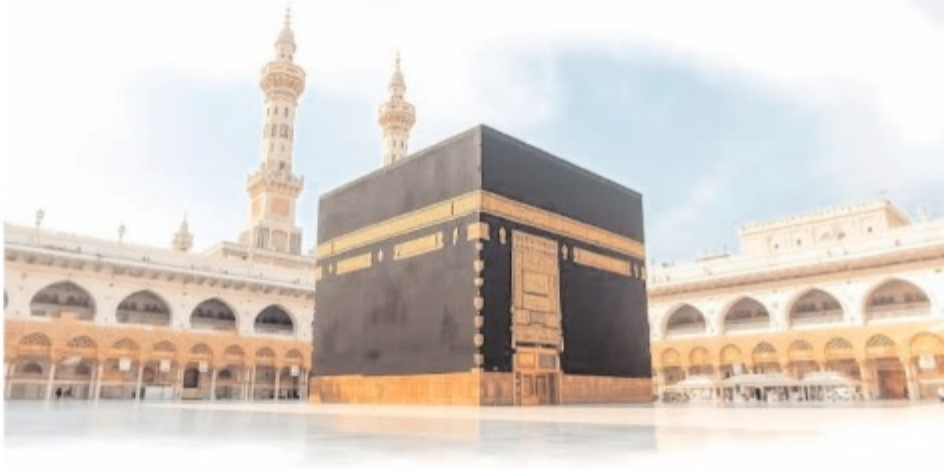
आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों की खोज व विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सनातन संस्कृति की रक्षा व संरक्षण, शिक्षण, प्रशिक्षण व रोजगार की संभावनाएँ, करो का सरलीकरण, हर व्यक्ति का बैंक में खाता, गरीब को चिकित्सा सुविधा, आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, शौचालय, दिल्ली से चली राशि बिना किसी कट के सीधे हितग्राहियों के खाते में बराबर व तुल्य पहुंचना, 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों ने आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है उसी कारण विदेशी निवेश भारत के दरवाजे पर लाईन लगा कर खड़ा है, जीडीपी, जीएसटी व आयकर शिखर पर, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर, अगर सफलता की गति बरकरार रहती है तो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था व ‘विकसित भारत ञ्च 2047’ की सिद्धि पाने में भारत शीघ्र सफलता पाएगा।

(लेखक भाजपा मप्र के कोषाध्यक्ष हैं)

दो हफ्तों में पवित्र शहरों पर दूसरा हमला- धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने की तत्काल ज़रूरत

(प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)
सऊदी अरब के पवित्र शहरों मक्का और मदीना को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों के बाद तनाव बढ़ गया है। सऊदी गठबंधन और ओआईसी ने इसके लिए हत्ती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि हतियों ने इससे इनकार किया है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत ऐसे पवित्र धार्मिक स्थलों पर हमला करना गंभीर युद्ध अपराध माना जाता है। पवित्र धार्मिक शहरों पर दूसरा हमला, 2017 के बाद से सबसे गंभीर हमला, मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार सुबह 5.11 बजे हुआ। हतियों ने मदीना में तैबा पावर डिस्ट्रिब्यूशन स्टेशन को निशाना बनाया, जो इस्लाम के दूसरे सबसे पवित्र स्थल ‘अल-मस्जिद अन-नबवी’ को बिजली सप्लाई करने वाली एक नागरिक सुविधा है। एक वन-वे अटैक ड्रोन ने एक ट्रांसफॉर्मर को बेकार कर दिया। सऊदी गठबंधन ने बताया कि बड़े ग्रिड पर कोई असर नहीं पड़ा और मस्जिद में बिजली गुल नहीं हुई। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने पुष्टि की कि मलबे को बरामद कर लिया गया है और आपरेशनल रिखू से हतियों की सलिमता की पुष्टि हुई है। दो हफ्ते पहले, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार शाम 6.50 बजे, सऊदी अरब ने मक्का के दक्षिण में एक हत्ती ड्रोन को ग्रैंड मस्जिद के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। 2017 के बाद मक्का पर यह पहली कोशिश थी। सऊदी अधिकारियों ने इस हमले के लिए यमन के हत्ती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया; बड़ते तनाव के बीच इस्लाम के सबसे पवित्र शहर पर यह अपनी तरह की पहली घटना थी। सऊदी एयर डिफेंस ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर अंदर ड्रोन को रोक दिया, जिससे वह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाया। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी ने बताया कि मक्का के प्रतिबंधित हवाई

क्षेत्र में घुसने से पहले ही ड्रोन को रोक दिया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक रेड लाइन (अति-संवेदनशील सीमा) है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक हरकत बताया, जिसका मकसद इबादत करने वालों में डर पैदा करना और आम नागरिकों को नुकसान पहुँचाना था। सऊदी ह्दिते मंत्रालय ने इसे कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला करार दिया। हूथी आंदोलन (अंसार अह्लाह) ने तुरंत और स्पष्ट रूप से इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। 57 ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे धिनीना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को



क्षेत्र में घुसने से पहले ही ड्रोन को रोक दिया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक रेड लाइन (अति-संवेदनशील सीमा) है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक हरकत बताया, जिसका मकसद इबादत करने वालों में डर पैदा करना और आम नागरिकों को नुकसान पहुँचाना था। सऊदी ह्दिते मंत्रालय ने इसे कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला करार दिया। हूथी आंदोलन (अंसार अह्लाह) ने तुरंत और स्पष्ट रूप से इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। 57 ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे धिनीना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को

रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है। सऊदी अरब और जी सी सी ने कहा कि इन हमलों ने सभी रेड लाइन्स पार कर ली हैं और यह हालात को गंभीर रूप से बिगाड़ने (ग्रेव एस्केलेशन) जैसा है। मक्का और मदीना को निशाना बनाकर दुनिया भर के लाखों मुसलमानों को जान-बूझकर उकसाया गया है। यू ए ई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और तुर्की ने भी एकजुटता दिखाते हुए बयान जारी किए। हूथियों ने जिम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी पवित्र स्थल को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने सऊदी अरब पर आरोप लगाया कि वह मक्का के बारे में पहले किए गए दावे को साबित न कर पाने की अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। हूथियों ने जुलाई 2026 में सऊदी अरब की समुद्री नारकेबंदी की घोषणा की थी और 2022 में संयुक्त राष्ट्र संघ की युद्धनिराम संधि के टूटने के बाद सीमा-पार हमले फिर से शुरू कर दिए थे। सना

और लाल सागर के तट पर उनके निवर्त्रण की वजह से वे 900 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक ड्रोन भेजकर मदीना तक पहुँच सकते हैं। पवित्र मस्जिद के पास बिजलीघर पर हमला करने का मकसद धार्मिक आक्रोश को भड़काना, सऊदी अरब पर दबाव बढ़ाना और ईरान-समर्थित क्षमताओं का प्रदर्शन करना है, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे ईरान-अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भी सऊदी अरब के अंदरूनी इलाकों तक हमला कर सकते हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसका प्रतीकात्मक असर बहुत बड़ा है। इस्लामी दुनिया में, पेंगंबर की मस्जिद (मस्जिद-ए-नबवी) को सेवा देने वाले बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने को पवित्रता पर ही हमला माना जाता है।

धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम – टकराव के दौरान धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना युद्ध का एक पुराना और दुखद पहलू रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इस मुद्दे पर स्पष्ट नियम हैं, जो सीधे तौर पर ऊपर बताए गए हमलों जैसे मामलों को संबोधित करते हैं। नीचे इन स्थलों के लिए ऐतिहासिक उदाहरण और मुख्य कानूनी सुरक्षा उपाय दिए गए हैं।अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून (आई एच एल) सरलश संघर्षों के दौरान कई तरह से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करता है। इसका मुख्य सिद्धांत यह है कि ये स्थल नागरिकों की संपत्ति हैं और इन पर तब तक हमला नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि ये सैन्य लक्ष्य न बन जाएं। 1907 के हेग नियमों का अनुच्छेद 27 कहता है कि शेरबंदी और बमबारी के दौरान, धर्म, कला, विज्ञान या धर्मार्थ कार्यों के लिए समर्पित इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों, अस्पतालों... को यथासंभव बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, बशर्ते कि उनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए न किया जा रहा हो।

करोड़ों का बजट, फिर भी इलाज के लिए तरस रहे मरीज! किरंदुल अस्पताल की अत्यवस्थाओं ने खोली स्वास्थ्य विभाग की पोल

दंतेवाड़ा। करोड़ों रुपये खर्च करने के दवाओं के बावजूद अगर मरीजों को सरकारी अस्पताल में समय पर इलाज नहीं मिले, तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल स्थित स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्थाओं को लेकर मरीजों और उनके परिजनों की शिकायतें सामने आई हैं। अस्पताल में समय पर डॉक्टरों की उपलब्धता नहीं होने और इलाज के लिए घंटों इंतजार करने की परेशानी अब सोशल मीडिया के जरिए भी सामने आ रही है। लौह नगरी किरंदुल से हर साल जिला खनिज न्यास निधि (छस्न) और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ईस्क) के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जाने की बात कही जाती है। इसके बावजूद स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को समय पर उपचार मिलने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे

में सवाल यह है कि जब स्थानीय अस्पतालों में ही डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तो ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के दवाओं का लाभ आम जनता को आखिर कब मिलेगा? सुबह ओपीडी में नहीं मिला स्टाफ मरीज करते रहे इंतजार-मिली जानकारी के अनुसार, किरंदुल अस्पताल में प्रथम पाली के दौरान डॉक्टर चंद्रिका के देर से पहुंचने को लेकर मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी है। आरोप है कि डॉक्टर के निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को दो से तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। मामले

की पड़ताल करने पहुंची शौर्यपथ की टीम के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे ओपीडी में पच्ची बनवाने के लिए पहुंचने पर वहां स्टाफ मौजूद नहीं मिला। अन्य कर्मचारियों की ओर से बताया गया कि पच्ची बनाने की प्रक्रिया सुबह 10 बजे के बाद शुरू होगी। इसके बाद भी मरीजों को डॉक्टर के आने का इंतजार करना पड़ा। अस्पताल के बाहर मरीजों की कतार लगी रही। डॉक्टर के पहुंचने के बाद ही मरीजों का उपचार शुरू हो सका। इस स्थिति ने अस्पताल में ओपीडी संचालन और ड्यूटी समय के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टर के ड्यूटी समय पर भी

उठे सवाल-शौर्यपथ की टीम के अनुसार, जब डॉक्टर चंद्रिका से अस्पताल देर से पहुंचने के संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने बताया कि वह सुबह 11 बजे आती हैं और शाम 4 बजे जाती हैं। अब सवाल यह है कि क्या डॉक्टर चंद्रिका के ड्यूटी समय में विभागीय स्तर पर कोई बदलाव किया गया है? यदि बदलाव किया गया है, तो क्या इसकी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध है? वहीं, यदि निर्धारित समय का पालन नहीं हो रहा है, तो इसकी निगरानी और जवाबदेही किसकी है? इन सवालों का स्पष्ट जवाब स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को देना चाहिए, ताकि

मरीजों को होने वाली परेशानी का वास्तविक कारण सामने आ सके। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, फिर भी व्यवस्था में सुधार कब? अस्पताल में समय पर इलाज नहीं मिलने से परेशान मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल की स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसके बाद इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई। मरीजों ने पत्रकारों को भी अपनी परेशानी की जानकारी दी, जिसके बाद शौर्यपथ की टीम अस्पताल पहुंची। मरीजों की शिकायत है कि सरकारी अस्पताल में समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें निजी अस्पतालों का रुख करना

पड़ता है, जहां इलाज पर अधिक पैसे खर्च करने की मजबूरी होती है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किल पैदा करती है। अस्पताल में शौचालय और भवन की स्थिति पर भी सवाल-मामले में केवल डॉक्टरों की उपलब्धता ही नहीं, बल्कि अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठे हैं। अस्पताल में शौचालय की व्यवस्था और भवन में सीपेज जैसी समस्याओं का जिक्र सामने आया है। ऐसे में सवाल यह है कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए खर्च की जा रही राशि का उपयोग किस तरह किया जा रहा है और मरीजों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है? मेडिकल कॉलेज पर खर्च और स्थानीय अस्पतालों की हकीकत- दंतेवाड़ा जिले में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज की स्थापना को

लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की स्थापना निश्चित रूप से क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती है, लेकिन इसके साथ मौजूद स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता, समय पर उपचार और बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। यदि स्थानीय अस्पतालों में ही मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिलता, तो स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के दवाओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब प्रशासन से सीधे सवाल-किरंदुल अस्पताल में डॉक्टरों की उपलब्धता और ड्यूटी समय की जांच होगी या नहीं? मरीजों को समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे? अस्पताल में शौचालय, सीपेज और अन्य बुनियादी समस्याओं का समाधान कब होगा? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि मरीजों की शिकायतों के बाद जिम्मेदार

अधिकारियों की ओर से क्या कार्रवाई की जाएगी? फिलहाल, इस पूरे मामले में अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्पष्ट एवं आधिकारिक जवाब सामने आना जरूरी है। मरीजों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समय पर इलाज और बेहतर सुविधाएं चाहिए। अब देखा होगा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं। डॉक्टर चंद्रिका ने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर उठाए सवाल-किरंदुल अस्पताल में ड्यूटी के समय को लेकर उठ रहे सवालों पर डॉक्टर चंद्रिका ने अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों के लिए शौचालय तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। यहां तक कि अस्पताल के आईपीडी (ड्यूटी) में भर्ती मरीजों के लिए भी शौचालय की सुविधा नहीं होने की बात उन्होंने कही।

महात्मा गांधी वार्ड में माता रानी का फूलों की वर्षा के साथ भव्य स्वागत, देर रात 1 बजे तक डटे रहे श्रद्धालु

कांकेर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महात्मा गांधी वार्ड, कांकेर में माता रानी के आगमन पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। पुरे मोहल्लेवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और फूलों की वर्षा कर माता रानी का स्वागत किया, जो पुरे मोहल्ले के लिए एक यादगार पल बन गया। स्वागत कार्यक्रम में देर रात 1 बजे तक महिलाएं, बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग उत्साह के साथ डटे रहे। पूरा वार्ड भक्तिमय माहौल और जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य रूप से वार्ड पार्षद श्रीमती मीरा सलाम, एम जी वार्ड से नेहा वासनिक, रीना शोरी, निशा ठाकुर, चमेली ठाकुर, कंचन साहू, सावित्री नायक, मंजू, गुलाबी यादव, पूर्व पार्षद शैलेन्द्र शोरी, अजय साहू,



रवि गिरी गोस्वामी, धर्मेन्द्र रजक, राहुल नायक, तनय गावर, सागर सारथी, संजय वासनिक, विजय डरपेठी, किरण कुलदीप, मेहुल नायक सहित समस्त वार्डवासी स्वागत में जुटे रहे।

जगदलपुर। अपनी अनूठी, प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखने वाले बस्तर के ऐतिहासिक महापर्व बस्तर दशहरा की विभिन्न पूजा विधान हर्षोल्लास और गहरी आस्था के साथ शुरू हो गई हैं। करीब सात सदियों पुरानी इस गौरवशाली परंपरा का शुभारंभ हर साल की तरह इस बार भी परम्परागत पूजा विधान 'काछन गादी' के साथ संपन्न हुआ। इसके तहत पन्ना का समाज की नाबालिग कुंवारी कन्या पीहू ने 'मां काछनदेवी' का स्वरूप धारण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस अनुष्ठान के दौरान कन्या के शरीर में स्वयं मां काछनदेवी का वास होता है। जब देवी रूपी बालिका को बेल के नुकीले कांटों से तैयार किए गए झूले पर लटकाया गया, तो वहां मौजूद जनसमूह अपार श्रद्धा एवं



उत्साह से भर उठा। कांटों के इस नाजूक और कठिन झूले पर विराजित होकर देवी ने बस्तर राजपरिवार, बस्तर अंचल की जनता और प्रशासन को आगामी कार्यक्रमों को निर्बाध रूप से संचालन संपन्न करने तथा 75 दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के आयोजन की अनुमति प्रदान की। अनुष्ठान के दौरान बस्तर राजपरिवार के सदस्य एवं माटी पुजारी कमलचंद्र भण्डेव ने काछन देवी के समक्ष शीश झुकाकर उनका आशीर्वाद लिया और



इसके पश्चात उन्होंने गोलबाजार पहुंचकर मिरगान समुदाय की इष्ट देवी मां रैला देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर उनका भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जैसे ही यह ऐतिहासिक और पारंपरिक रस्म पूरी हुई। इस दौरान पूरा काछन गुड़ी और गोलबाजार इलाका पारंपरिक वाद्य-ध्वनियों मोहरी बाजा की गूंज से गुंजायमान हो उठा। इस ऐतिहासिक और पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक



मैमर-मैमरिन, पुजारी, गायता और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बस्तर दशहरा पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति और अटूट आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है, जो बस्तर की आराध्य देवी मां दत्तेश्वरी को समर्पित एवं उनकी अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। इस महापर्व में यहीं के हर समुदाय की सहकार एवं सक्रिय सहभागिता जुड़ हुआ है।

आस्था के पथ पर सेवा की ढाल, दंतेवाड़ा और गिरोला जाने वाले पदयात्रियों के लिए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 25 से अधिक केंद्रों पर 24 घंटे उपचार की छांव

जगदलपुर - शारदीय नवरात्र और बस्तर दशहरा के पावन अवसर पर जब कदम मां दत्तेश्वरी के दर्शन की अटूट आस्था लेकर दंतेवाड़ा और गिरोला की राह पकड़ते हैं, तब भक्तों के इसी जज्बे को संवल देने स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सेवा की मजबूत ढाल बिछा दी है। मौलों लंबे इस कठिन सफर में श्रद्धालुओं के थके पैरों और जख्मों पर महम लगाने के लिए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बस्तर सहित विभिन्न मार्गों पर 25 से अधिक स्थानों पर पदयात्री स्वास्थ्य सेवा केंद्र सक्रिय किए गए हैं। पदयात्रियों के लिए इस विशेष व्यवस्था के तहत 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक दिन-रात यानी 24 घंटे अवरत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि



किसी भी श्रद्धालु को बीच राह पड़ना न पड़े। पदयात्रा की निरंतर थकान, पैरों में असहनीय पीड़ा से न जूझना पड़े।

खिंचाव को देखते हुए इन शिविरों में दर्द निवारक स्प्रे, विशेष मलहम, पेन क्लिर और त्वरित प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की पूरी किट तैनात रखी गई है। श्रद्धालुओं के प्रवाह को देखते हुए आसना नाका, जियाडेग, बालाजी कोल्ड स्टोर, पण्डरीपानी, आड़वाल नाका, सिरहासार चौक, बिजली गार्डन ढाबा और बस्तर परिवहन संघ जैसे मुख्य पड़कों पर स्वास्थ्य अमले को तीन पलियों में मुस्तैद किया गया है। यहां एएनएम, आरएचओ, मितानिन व सीएचओ की टीमें चौबीसों घंटे तैनात रहकर हर गुजरते पदयात्री को राहत पहुंचा रही हैं, जबकि आपातकालीन स्थितियों के लिए जीवनरक्षक एम्बुलेंस और त्वरित दवा वितरण दल को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत अपने जगदलपुर एवं बस्तर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान इंद्रावती नदी में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डोंगाघाट एवं कुदाल गांव में बाढ़ प्रभावित परिवारों और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना तथा बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौर के दौरान डॉ. महंत ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके क्षतिग्रस्त मकानों, घरेलू सामान एवं अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने संकट की इस घड़ी में प्रभावित नागरिकों के प्रति संवेदन व्यक्त करते हुए उनके दुःख-दर्द को साझा किया।



बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों को हो रही परेशानियों को देखते हुए उन्होंने संबंधित प्रशासन से राहत एवं सहायता कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिन परिवारों के मकान

परिस्थिति में किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में कांग्रेस पार्टी प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। पीड़ित नागरिकों की समस्याओं को सामने लाना और उन्हें उचित राहत एवं सहायता दिलाने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिले, इसके लिए प्रशासन को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए। इस दौर के दौरान स्थानीय नागरिकों ने बाढ़ से हुए नुकसान और अपनी समस्याओं से नेता प्रतिपक्ष को अवगत कराया। डॉ. महंत ने प्रभावित परिवारों की बातों को गंभीरता से सुना तथा उनकी समस्याओं के निराकरण और राहत उपलब्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस लाइन कोंडगांव में तीन दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन, सात जिलों की पुलिस टीमों ने लिया हिस्सा बस्तर पुलिस क्रिकेट लीग में कांकेर बना विजेता, नारायणपुर उपविजेता



कोंडगांव। पुलिस लाइन कोंडगांव में 8 से 10 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय बस्तर पुलिस क्रिकेट लीग 2026 में

कांकेर पुलिस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फइनल मुकामले में कांकेर ने नारायणपुर को पीछे छोड़ते हुए जीत

दर्ज की। नारायणपुर की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में बस्तर रेंज बी.एन. मौना ने स्वयं क्रिकेट ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का

शुभारंभ वन मंत्री केदार कश्यप ने किया। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज बी.एन. मौना ने स्वयं क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साह

बढ़ाया। पुलिस अधीक्षक कोंडगांव पंकज चन्द्रा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं जवानों में खेल भावना, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और आपसी समन्वय को बढ़ावा देना था। सेमीफाइनल में कांकेर और नारायणपुर की जीत-प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में कांकेर ने कोंडगांव को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में नारायणपुर ने सुकमा को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। 10 अक्टूबर को कांकेर और नारायणपुर के बीच रोमांचक फाइनल मुकामला खेला गया, जिसमें कांकेर की टीम विजेता बनी। छत्तेस बने मैन ऑफ द मैच, मानकू को मैन ऑफ द सीरीज- प्रतियोगिता में कांकेर के

छत्तेस को मैन ऑफ द मैच और कोंडगांव के मानकू को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। समापन समारोह में

जनप्रतिनिधि रहे मौजूद-समापन समारोह में कोंडगांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल और उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में बस्तर, कोंडगांव, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों की पुलिस टीमों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने सभी टीमों, अधिकारियों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह प्रतियोगिता पुलिस जवानों को खेल के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने, टीम भावना विकसित करने और आपसी समन्वय मजबूत करने का अवसर बनी। आयोजन में मैदान में प्रतिस्पर्धी और कर्तव्य में एकता का संदेश दिया।

जगदलपुर। बस्तर दशहरा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी आदिवासी संस्कृति, आस्था और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है। लेकिन आज इसी परंपरा को जीवित रखने वाले 30 मुंडा बाजा वादक अपने हक के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। उन बातें बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मोर्य ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही हैं... वर्ष 2019 में मानदेय देने की घोषणा किए जाने की बात कही जाती है, लेकिन वादकों का आरोप है कि छह साल बीत जाने के बाद भी उन्हें मानदेय नहीं मिला। एक महिने पहले बस्तर महाराजा, दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, कलेक्टर और वहासीलदार को आवेदन दिया गया, लेकिन वादकों के अनुसार अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम और आरआई समझाने पहुंचे, लेकिन वर्षों से लंबित मांग के बीच अब वादक केवल मौखिक आश्वासन नहीं,



बल्कि लिखित आश्वासन मांग रहे हैं। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मोर्य ने कहा सवाल यह है कि बस्तर देनी की घोषणा किए जाने की बात कही जाती है, लेकिन वादकों का आरोप है कि छह साल बीत जाने के बाद भी उन्हें मानदेय नहीं मिला। एक महिने पहले बस्तर महाराजा, दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, कलेक्टर और वहासीलदार को आवेदन दिया गया, लेकिन वादकों के अनुसार अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम और आरआई समझाने पहुंचे, लेकिन वर्षों से लंबित मांग के बीच अब वादक केवल मौखिक आश्वासन नहीं,

संक्षिप्त समाचार

शासकीय मद की भूमि को त्रुटिपूर्ण जांच प्रतिवेदन तैयार कर निजी मद में दर्ज करने पर हल्का पटवारी निलंबित

अम्बिकापुर। कलेक्टर सरगुजा ने राजस्व प्रकरण में त्रुटिपूर्ण जांच प्रतिवेदन तैयार कर शासकीय भूमि को निजी मद में दर्ज करने एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने पर हल्का पटवारी श्री सुरेश कुमार डाहिरि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्री डाहिरि पूर्व में ग्राम लालमाटी, तहसील तुण्ड्रा-धौरपुर में हल्का पटवारी के पद पर पदस्थ थे तथा वर्तमान में तहसील लखनपुर में पदस्थ हैं। नायब तहसीलदार, उप तहसील रघुनाथपुर के जांच प्रतिवेदन के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धौरपुर के राजस्व प्रकरण में भूमि खसरा नंबर 70/2 के संबंध में तत्कालीन पटवारी द्वारा स्थल जांच प्रतिवेदन एवं पंचनामा प्रस्तुत किया गया था। जांच में पाया गया कि पटवारी ने स्थल पर वास्तविक कब्जेदार की जानकारी प्राप्त किए बिना त्रुटिपूर्ण जांच प्रतिवेदन तैयार कर शासकीय मद की भूमि को निजी मद में मूल अभिलेखों का मिलान किए बिना निजी व्यक्ति के नाम में दर्ज करने पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर त्रुटिपूर्ण प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया था। इस संबंध में पटवारी श्री डाहिरि को 11 सितम्बर 2026 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। उनके द्वारा 15 सितम्बर 2026 को प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर निलंबन की कार्यवाई की गई। कलेक्टर ने उक्त कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत पाते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में श्री डाहिरि का मुख्यालय कार्यालय तहसीलदार, लखनपुर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भता देय होगा।

दौड़ेगा सूरजपुर, जीतेगा सूरजपुर सड़क सुरक्षा और स्वस्थ जीवन का संदेश लेकर 13 अक्टूबर को मैराथन आयोजित



सूरजपुर संवाददाता। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने, सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता लाने और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 13 अक्टूबर को सूरजपुर की सड़कों पर उत्साह, ऊर्जा और जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा मैराथन के माध्यम से नागरिकों को नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करने के साथ ही सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन, यातायात अनुशासन और सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। इसके साथ ही बाइक रैली का भी आयोजन किया जायेगा। मैराथन में विजेता प्रतिभागियों के लिए प्रोत्साहन राशि भी निर्धारित की गई है, जिसके अंतर्गत प्रथम पुरस्कार 5,100 रुपये द्वितीय पुरस्कार 3,100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2,100 रुपए के साथ हेलमेट भी प्रदान किया जाएगा। मैराथन का आयोजन 13 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8:00 बजे से 11:30 बजे तक किया जाएगा। मैराथन राजमोहनी माता चौक से प्रारंभ होकर साधुराम सेवाकुंज तक आयोजित होगी। इसमें जिले के युवा, विद्यार्थी, महिलाएं सहित विभिन्न आयु वर्ग के नागरिक अपनी सहभागिता कर सकेंगे। मैराथन में शामिल होने के इच्छुक नागरिक निर्धारित क्यू कोड को स्कैन कर अथवा Google Form [https://docs.google.com/forms/d/YRm&vx=cDWcOgoDH-\[l0sH_vF&XeoQH@VL0PvJjz_TOQ/edit](https://docs.google.com/forms/d/YRm&vx=cDWcOgoDH-[l0sH_vF&XeoQH@VL0PvJjz_TOQ/edit) के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, खेलप्रेमियों एवं आम नागरिकों से सूरजपुर मैराथन 2026 में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। प्रशासन ने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस आयोजन का हिस्सा बनकर स्वस्थ, जागरूक एवं सुरक्षित सूरजपुर के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएं। दौड़ेगा सूरजपुर, जीतेगा सूरजपुर के प्रेरक संदेश के साथ मैराथन स्वास्थ्य के प्रति सजगता, सड़क सुरक्षा और जनभागीदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगी।

बिलासपुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत अनाधिकृत पोस्टर, बैनर एवं दाग-धब्बे हटाने के लिए विशेष अभियान

रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के लिए प्रमुख स्टेशनों सहित सभी क्षेत्रों व परिसरों में की गई विशेष साफ-सफाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर 2026 को अनाधिकृत पोस्टर, बैनर, दाग-धब्बे हटाने का अभियान थीम

के अंतर्गत बिलासपुर मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों, रेलवे परिसरों एवं कार्यालयों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत स्टेशनों, पुट ओवर ब्रिज सबवे, बाउंड्री वॉल एवं रेलवे कॉलोनिजों में लगे अनाधिकृत पोस्टर, स्टिकर, दीवार लेखन, बैनर एवं हार्डिंग की पहचान कर उन्हें हटाया गया। पोस्टर एवं विज्ञापन सामग्री हटाने के पश्चात संबंधित दीवारों एवं खंभों की विशेष सफाई की गई, ताकि परिसर की सुंदरता बनाए रखने के साथ-साथ दीवार पोस्टर चिपकाने की प्रवृत्ति को भी कम किया जा सके। रेलवे परिसरों में पान एवं गुटखे की पीक से होने वाले लाल तथा पीले दाग-धब्बों को हटाने के लिए दीवारों, खंभों, सीढ़ियों तथा पुट ओवर



ब्रिज एवं सबवे के कोनों की विशेष सफाई तथा स्क्रबिंग की गई। साफकिए गए स्थानों पर 'थूककर गंदगी न फैलाएं' एवं 'इथ स्ट्रॉइड' जैसे संदेश प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी

साइनेज लगाकर यात्रियों को रेलवे परिसर स्वच्छ रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म के कोनों तथा स्टेशन के प्रवेश एवं निकास

एसईसीएल मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2026 का गरिमामय समापन

उत्कृष्ट हिंदी पत्राचार के लिए विभाग व क्षेत्र राजभाषा शील्ड से सम्मानित,प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कृत

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2026 का समापन समारोह गुरुवार को मुख्यालय ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। यह पखवाड़ा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार 14 से 28 सितम्बर तक मनाया गया था। समारोह में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निदेशक (विच) श्री डी. सुनील कुमार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रतिनिधि और मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। ठेका कर्मी, स्कूली विद्यार्थी और महाविद्यालय की छात्राएँ भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। समारोह का

शुभारंभ अतिथियों एवं विभागाध्यक्षों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। स्वागत उद्बोधन उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन/जनसंपर्क/राजभाषा) श्री मनीष कुमार श्रीवास्तव ने दिया। पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों से लेकर विद्यार्थियों तक के लिए विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हिंदी भाषी और हिंदीतर भाषी कर्मियों के लिए अलग-अलग वर्गों में पाँच प्रतियोगिताएँ हुईं: हिंदी निबंध लेखन, हिंदी पत्र व टिप्पण लेखन, चित्र आधारित हिंदी कहानी लेखन, हिंदी व्याकरण ज्ञान तथा विभागाध्यक्षों हेतु हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता। दोनों वर्गों के लिए संयुक्त रूप से हिंदी आशुलिपि, कंप्यूटर आधारित हिंदी टंकण, हिंदी भाषण, हिंदी काव्य पाठ और हिंदी अंताक्षरी



प्रतियोगिताएँ हुईं। गृहणियों के लिए निबंध लेखन और ठेका कामगारों के लिए हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता भी कराई गई। डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए तीन वर्गों में हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता हुई: कक्षा 6वीं से 8वीं, कक्षा 9वीं व 10वीं, तथा कक्षा 11वीं व 12वीं। शासकीय माता शबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की

छात्राओं के लिए हिंदी साहित्य प्रतियोगिता हुई। अंध-मूक बंधिर शाला, तिफ्रा के बच्चों के लिए हिंदी भाषण एवं हिंदी चित्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। समारोह में अतिथियों ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में स्व. शंकर दयाल सिंह स्मृति राजभाषा शील्ड में तकनीकी

वर्ग में सामग्री प्रबंधन विभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्पादन विभाग द्वितीय और योजना-परियोजना विभाग तृतीय स्थान पर रहे। गैर-तकनीकी वर्ग में प्रशासन विभाग और औद्योगिक संबंध विभाग संयुक्त रूप से प्रथम रहे। इस वर्ग में श्रमशक्ति विभाग ने द्वितीय और लोक सूचना विभाग ने तृतीय स्थान हासिल किया। क्षेत्रीय स्तर पर भटग्यांव क्षेत्र प्रथम रहा, जबकि कोरबा क्षेत्र द्वितीय और जोहिला क्षेत्र तृतीय स्थान पर रहे। वर्ष भर शत-प्रतिशत पत्राचार हिंदी में करने वाले ग्यारह विभागों को विशेष सम्मान से नवाजा गया। इनमें जनसंपर्क, सुरक्षा, उत्खनन, पीएफ पेंशन, औद्योगिक अभियांत्रिकी, गुणवत्ता नियंत्रण, ईएंडटी, विपणन-विक्रय, अधिकारी स्थापना, भूमिगत खदान एवं प्रणाली विभाग शामिल हैं।

चांदो वन परिक्षेत्र में पौधारोपण कार्य को लेकर सवाल खड़े हुए

■ कागजों में 6,771 पौधे, जमीन पर मक्का की खेती! 61.610 हेक्टेयर भूमि का मामला



आधिकारिक जांच के बाद ही हो सकेगी। इसके लिए संबंधित स्थल का भौतिक सत्यापन और विभागीय अभिलेखों की जांच जरूरी है। मामले में संबंधित भूमि पर मक्का की खेती किए जाने से वन भूमि पर अतिक्रमण की आशंका भी जताई जा रही है। ऐसे में भूमि के सीमांकन, वन अभिलेखों और खेती करने वालों की स्थिति की जांच आवश्यक है। इस मामले में चांदो वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि उनकी पदस्थापना हाल ही में हुई है और वे अभी संबंधित बोट का निरीक्षण नहीं कर पाए हैं। उन्होंने जल्द ही क्षेत्र का दौरा कर वास्तविक स्थिति देखने की बात कही है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

मजदूरों और भू-स्थापितों के अधिकारों से समझौता नहीं होगा उमागोपाल

कोरबा। एसईसीएल गेवरा हाउस में चेयरमैन के आगमन के दौरान भू-स्थापितों, ड्राइवरों और मजदूरों का आक्रोश खुलकर सामने आया। लंबे समय से लंबित मांगों और श्रमिकों से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रभावित ग्रामीणों एवं कामगारों ने विरोध-प्रदर्शन करते हुए मुख्य गेट पर नारेबाजी की। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना गैर-राजनीतिक संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष उमागोपाल के नेतृत्व में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन के सामने अपनी मांगें प्रमुखता से रखीं और समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने एसईसीएल खदान क्षेत्रों के भू-स्थापितों को बिना कटीती उचित मुआवजा देने तथा पुनर्वास के तहत सुरक्षित स्थान पर बसाने की मांग उठाई। वहीं, कलिंगा कंपनी में कार्यरत ड्राइवरों और मजदूरों को प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के बीच वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई, ताकि श्रमिक अपने बैंक ज़रू और घरेलू जरूरतों का समय पर भुगतान कर सकें। पीएनसी कंपनी में स्थानीय प्रभावित युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने तथा एसईसीएल दीपका क्षेत्र के अंतर्गत जय अंबे रोड लाइंस के कामगारों को नियमित ड्यूटी और समय पर वेतन उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान दीपका, गेवरा और कुसमुंडा खदान क्षेत्रों में पिछले एक महीने के दौरान कथित तौर पर हुई 2 से 3 श्रमिकों की मौत के मामलों को लेकर गहरी चिंता जताई गई।

छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करे: मंत्री राजेश अग्रवाल....

■ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

श्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर और अम्बिकापुर के माँ दुर्गा मंदिरों में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की



अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के लखनपुर एवं अम्बिकापुर स्थित माँ दुर्गा मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने पवित्र ज्योत के दर्शन किए तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उतम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति, विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मंदिरों में श्रद्धापूर्वक माँ दुर्गा की आराधना की और प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख-समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा एवं खुशहाली बनी रहने की कामना की। उन्होंने कहा कि माँ जगदंबा की असीम कृपा और

आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो तथा प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन व्यतीत करे, यही उनकी हार्दिक अभिलाषा है। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि माँ दुर्गा शक्ति, साहस, करुणा और कल्याण की अधिष्ठात्री देवी हैं। उनकी आराधना हमें जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास

और लोककल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमारी सनातन संस्कृति में देवी आराधना का विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। माँ जगदंबा के प्रति अटूट आस्था हमारी समृद्ध धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा अंचल की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं प्रदेश की गौरवशाली विरासत को समृद्ध बनाती हैं। यहाँ के देवी-देवताओं के प्रति जनमानस की श्रद्धा और आस्था हमारी सांस्कृतिक एकता तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करती है। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है।

सरस्वती शिशु मंदिर प्रगति नगर की पहल

कोरबा। भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों और संस्कारों की समृद्ध परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा बच्चों में नैतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रगति नगर, एनटीपीसी, कोरबा के तत्वावधान में कलमीडुगु, दर्री में संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह पहल बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने और उन्हें जर्मवर्निष्ठ नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलमीडुगु की वाई पापंद श्रीमती राधा महंत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सरस्वती शिक्षा

संस्थान, रायपुर के मार्गदर्शन से संबद्ध वनांचल शिक्षा सेवा न्यास, छत्तीसगढ़ के प्रांत प्रमुख श्री नरेश जायसवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री लक्ष्मी नारायण जायसवाल, प्रधानाचार्य श्री परस राम देवांगन, विशिष्ट आचार्य श्री अशोक कुमार चन्द्रवंशी, आचार्या श्रीमती शैल केवर्त, संस्कार केंद्र की आचार्या प्रिया रावपूत तथा कलमीडुगु महिला मंडल की सदस्याओं की सहभागिता रही। वनांचल शिक्षा सेवा न्यास, छत्तीसगढ़ के प्रांत प्रमुख श्री नरेश जायसवाल ने कहा कि संस्कार केंद्र की स्थापना का मूल उद्देश्य नन्हे-मुठे भैया-बहनों के मन में भारतीय संस्कृति, नैतिकता, अनुशासन, सदाचार, सेवा, सहयोग और आत्मीयता जैसे गुणों का विकास करना है।

मां चंद्रघंटा को लगाएं ये खास भोग



नवरात्रि का तीसरा दिन बेहद खास होता है, क्योंकि इस दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां चंद्रघंटा शांति, साहस और शक्ति का प्रतीक हैं। उनकी कृपा से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन भक्त विशेष रूप से मां को प्रसादन करने के लिए दूध से बनी मिठाई या खीर का भोग लगाते हैं। दूध से बने प्रसाद को शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। अगर आप भी इस नवरात्रि मां चंद्रघंटा की कृपा पाना चाहते हैं, तो घर पर ही आसानी से यह प्रसाद बना सकते हैं।

मां चंद्रघंटा का प्रिय भोग खीर

मां चंद्रघंटा को दूध और उससे बनी चीजें बेहद प्रिय होती हैं। इसीलिए तीसरे दिन खीर का भोग लगाना सबसे शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं कि तृतीय नवरात्रि पूजा के लिए सरल तरीके से स्वादिष्ट खीर कैसे बनाएं।

खीर बनाने की आसान रेसिपी

सामग्री : 1 लीटर दूध, 1/4 कप चावल, 1/2 कप चीनी, 5-6 काजू और बादाम, 4-5 इलायची, केसर (वैकल्पिक)।

खीर बनाने की विधि:

दूध को एक बर्तन में उबाल लें। उसमें धुले हुए चावल डालें। धीमी आंच पर पकाएं जब तक चावल नरम न हो जाएं। अब चीनी, इलायची और झाई फ्रूट्स डालें। 5-10 मिनट और पकाकर गैस बंद कर दें। आपकी स्वादिष्ट खीर तैयार है।

फलाहारी खीर की रेसिपी:

अगर आप उपवास हैं और नवरात्रि में फलाहार प्रसाद ही चाहती हैं तो दूध से मखाने की खीर भी बना सकते हैं। इसके लिए दूध उबालकर उसमें मखाने और चीनी मिलाएं। गाढ़ा होने तक पकाएं। प्रत के लिए फलाहार मखाना खीर तैयार है।

आज का राशिफल

मेघ राशि - आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत हैं। इनकम बढ़ने से कॉमिडिंस भी मजबूत रहेगा। हालांकि, हेल्थ को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। जीवनसाथी के साथ वक्त बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। कामकाज में लंबे समय से आ रही अड़चने कम होगी।

वृषभ राशि - बिजनेस में कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना है। परिवार में रुतबा बढ़ेगा, लेकिन किसी की बात आपको घुरी लग सकती है। दिनभर मन में जोश और पॉजिटिविटी बनी रहेगी। गुरसे में आकर कोई फैसला न लें और जल्दबाजी से बचें। खानपान में लापरवाही न करें।

मिथुन राशि - नौकरी में दिए गए टारगेट पर समय पर पूरा करेंगे। नई योजना पर काम शुरू करने का मौका मिलेगा। अनुभवी लोगों के सुझाव उपयोगी साबित हो सकते हैं। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े कामों में अच्छे रिजल्ट मिलने की उम्मीद है। लव लाइफ में तालमेल बना रहेगा। नए काम या कारोबार से लाभ के अवसर मिलेंगे। विरोधियों की चाल सफल नहीं होगी। मातृ-पिता और प्रभावशाली लोगों का सहयोग मिलने से काम आसान होगा।

कर्क राशि - स्टूडेंट्स पढ़ाई पर अच्छी तरह फोकस कर पाएंगे। बच्चों की कामयाबी से घर में खुशी का माहौल रहेगा। युवाओं के मैरिज से जुड़े मामलों में बात आगे बढ़ सकती है। बिजनेस पार्टनर के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। जरूरी काम में सफलता के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे। नीकरी और कारोबार में सफलता मिलने के संकेत हैं। घर के लिए जरूरी सामान खरीद सकते हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है।

सिंह राशि - लंबे समय से अटक के प्रोजेक्ट्स में तेजी आएगी। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। लाइफ पार्टनर के साथ किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। साहित्य और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की लोकप्रियता बढ़ने के संकेत हैं।कारोबार में अच्छा लाभ हो सकता है। परिवार के साथ घूमने-फिरने की योजना बनेगी।

कन्या राशि - आज अपनी सेहत को प्राथमिकता दें। भूख कम लगने या कमर में दर्द जैसी परेशानियों हो सकती हैं। काम में मनचाहे रिजल्ट पाने के लिए पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। डेली रूटीन और लाइफस्टाइल में बदलाव करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।आमदनी बढ़ाने के नए मौके मिलेंगे और नौकरी में उत्साह बना रहेगा। आपके काम की तारीफ हो सकती है।

तुला राशि - बिजनेस में बिक्री बढ़ने से आर्थिक रहलत मिलेगी। पुरानी घटनाओं को याद करके कुछ देर विचारों में खोए रहेंगे। आज के अनुभव आपको भविष्य के लिए नई सीख देंगे। किसी साहसिक काम में रुचि बढ़ सकती है, लेकिन जोखिम उठाने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। मेहनत के दम पर सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे और आर्थिक स्थिति संतुलित रखने में कामयाब रहेंगे। हालांकि, परिवार की जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है। विवाहियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। पढ़ाई में प्रगति और नई चीजें सीखने के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशि - घर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए शांतिपूर्ण कर सकते हैं। मकान बनाने के काम में आ रही बाधाएं दूर होने की उम्मीद है। नई टेक्नोलॉजी सीखने की इच्छा बढ़ेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कामों में आपका मन लगेगा। आज कुछ नया सीखने को मिल सकता है।जमीन-जायदाद से जुड़े काम पूरे होने की संभावना है। मित्रों और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक संपर्क मजबूत होंगे और आप अपने मान-सम्मान की रक्षा कर पाएंगे।

धनु राशि - दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में अच्छा समय बीतेगा। हालांकि, अपने काम करने के तरीके में बदलाव करना जरूरी हो सकता है। घर के सदस्यों से बात करते समय शब्दों और व्यवहार का ध्यान रखें। अपनी जरूरत की चीज पाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में दूसरों का सहयोग मिलेगा। सही योजना और धैर्य के साथ आगे बढ़ेंगे तो अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मकर राशि - कारोबार में काम की रफ्तार बढ़ने से फायदा होने की संभावना है। अपने काम की क्वालिटी से सम्मोहित न करें। दूसरों के निजी मामलों में दखल देने से बचाव हो सकता है। किसी बात को लेकर मन में शक या कम्प्यूशन बना रह सकता है। सतान की गतिविधियों पर ध्यान दें।परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और विरोधियों पर बढ़त मिलेगी। सामाजिक संपर्कों का लाभ मिल सकता है। लंबे समय से अटक हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है।

कुंभ राशि - आर्थिक मामलों में बुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इनकम के स्रोत कम होने से चिंता बढ़ेगी। शंकेत के प्रति सतर्क रहें। खासकर बीपी के मरीज नियमित रूप से अपनी हेल्थ का ध्यान रखें। दूसरों के मामलों में बेवजह पड़ने से बचें। किसी बात को लेकर मन में संदेह हो सकता है। घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। आत्मीयभरता बढ़ेगी और लंबे समय से मन में चल रही कोई इच्छा पूरी हो सकती है।

मीन राशि -ऑफिस में सीनियर अधिकारियों का साथ मिलने से काम आसान होगा। पढ़ाई करने वाले युवाओं का मन रट्टी में लगेगा। पैसों के लेन-देन के लिहाज से दिन अच्छा रह सकता है। पैसेट्स का भरोसा और सपोर्ट मिलेगा। लवमेट के साथ रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। परिवार की किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को आप धैर्य और समझदारी से पूरा करेंगे। शांत स्वभाव और सहनशीलता से मुश्किल परिस्थितियों को संभालने में मदद मिलेगी।

शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा

नवरात्रि के तीसरे दिन की देवी चंद्रघंटा है। इनके मस्तक में घंटे का आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण से इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है।

मां चंद्रघंटा व्रत की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार जब दैत्यों का आतंक बढ़ने लगा था। उस काल में महिषासुर का भयंकर युद्ध देवताओं से हो रहा था। महिषासुर देवराज देवलोक को अपने कब्जे में लेना चाहता था। जब देवताओं को उसकी इस इच्छा का पता चला तो वे विचलित हो गए। सभी देवता भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समक्ष पहुंचे। ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने देवताओं की बात सुन क्रोध प्रकट किया। क्रोध आने पर उन तीनों के मुख से ऊर्जा निकली। उस ऊर्जा से एक देवी अवतरित हुई। उस देवी को भगवान शंकर ने अपना त्रिशूल, भगवान विष्णु ने अपना चक्र, इंद्र ने अपना घंटा दिया। सूर्य ने अपना

शारदीय या चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन यानी तृतीया को माता चंद्रघंटा की पूजा होती है। माता का वाहन सिंह है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान

तेज और तलवार और सिंह प्रदान किया। इसके बाद मां चंद्रघंटा ने महिषासुर का वध कर देवताओं की रक्षा की।

मां चंद्रघंटा पूजन मुहूर्त: मां चंद्रघंटा के पूजन का ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:35 बजे से सुबह 05:23 बजे तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02:14 बजे से दोपहर 03:02 बजे तक रहेगा। अमृत काल सुबह 09:11 बजे से सुबह 10:57 बजे तक रहेगा।

मां चंद्रघंटा की पूजा विधि

पूजा सामग्री:

फूल: मौं को सफेद रंग के फूल (जैसे चमेली या गेंदा) अत्यंत प्रिय है।

भोग: शक्कर (चीनी), मिश्री या पंचामृत।

नवरात्रि के तीसरे दिन लाल रंग के कपड़े पहनना शुभ



नवरात्रि के दौरान लोग मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूप से अपने और अपनी लिए मनोकामनाएं मांगते हैं। वहीं नवरात्रि के हर एक दिन अलग-अलग रंग को पहनने का भी खूब प्रचलन है। बता दें कि नवरात्रि का हर दिन अलग-अलग रंगों को समर्पित है। ऐसे में कहा जाता है कि नवरात्रि भर दिन के हिसाब से अगर कपड़ों के रंगों का चयन किया गया तो देवी मां की खूब कृपा बरसती है। माना जाता है कि उन्हें नारंगी रंग काफ़ी पसंद है। यही वजह है कि उन्हें इसी रंग के वस्त्र पहनाए जाते हैं। जो भी भवत नवरात्रि के पहले दिन इस रंग के कपड़े पहनता है तो समझिए देवी मां उससे काफ़ी प्रसन्ना होती हैं। नवरात्रि का दूसरा दिन मां ब्रह्माचारिणी का होता है और कहते हैं कि उन्हें सफेद रंग काफ़ी प्रिय है। ऐसे में इस दिन इस रंग के कपड़े पहनने से काफ़ी लाभ मिलते हैं।

नवरात्रि के तीसरे दिन का रंग

वहीं स्नानातन धर्म की मान्यता के हिसाब से नवरात्रि के तीसरे दिन लाल रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। तीसरा दिन

चमकीला है। इनके दस हाथ हैं। इनके दशों हाथों में खड्ग आदि शस्त्र तथा बाण आदि अस्त्र विभूषित हैं। इनकी मुद्रा युद्ध के लिए उद्यत रहने की होती है।

वस्त्र: संभव हो तो पूजा के समय पीले या सफेद वस्त्र धारण करें।

अन्य: चंदन, अक्षत, धूप, दीप और सुपारी।

रंग: माता चंद्रघंटा को सुनहरा या भूरा रंग अत्यंत प्रिय है। संभव हो तो इसी रंग के वस्त्र पहनें।

समय: ब्रह्म मुहूर्त या सुबह के समय पूजा करना उत्तम है।

शुद्धि: स्नानादि के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें और मंदिर या पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें।

पूजन विधि:

आह्वान: सबसे पहले कलश देवता और गणेश जी की पूजा करें। इसके बाद हाथ में अक्षत और पुष्प



लेकर मां चंद्रघंटा का ध्यान करें।

स्नान और श्रृंगार: माता की मूर्ति या तस्वीर को गंगाजल से स्नान कराएं। उन्हें सिंदूर, अक्षत,

गंध, धूप और दीप अर्पित करें।

पुष्प अर्पण: माता को सफेद कमल या लाल गुलाब के फूल अर्पित करना बहुत शुभ माना जाता है।
विशेष भोग: मां चंद्रघंटा की दूध या दूध से बनी मिठाई (जैसे खीर या खोये की बर्फी) का भोग लगाएं। उन्हें शहद का भोग लगाना भी विशेष फलदायी होता है।

मां चंद्रघंटा का प्रिय भोग: हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा की दूध या दूध से बनी मिठाई का भोग अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा पंचामृत, चीनी व मिश्री भी अर्पित कर सकते हैं।

मां चंद्रघंटा की का मंत्र

स्तुति: पिण्डाग्रप्रसारकृदा षण्डकोपास्त्रकयुता। प्रसादं तनुते महां चंद्रघंतेति विश्रुता॥

मंत्र: ॐ देवी चन्द्रघण्टायै नमः"

- **लाल रंग** – यह रंग साहस और शक्ति का प्रतीक है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की कृपा पाने के लिए लाल रंग के कपड़े पहनें।
- **रॉयल ब्लू** – यह रंग भव्यता और स्थिरता का प्रतीक है। ऐसे में नवरात्रि के चौथे दिन मां कूर्मांडा की आराधना इस रंग के कपड़े पहनकर करें।
- **पीला रंग** – यह रंग खुशी और बुद्धिमत्ता का प्रतीक है। पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा में इस रंग के कपड़े पहनना बेहद शुभ साबित होगा।
- **हरा रंग** – यह रंग प्रकृति और नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है। नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा में इस रंग के कपड़े पहनना बेहद शुभ साबित होगा।
- **ग्रे रंग** – यह रंग संतुलित सोच का प्रतीक है। नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की कृपा पाने के लिए इस रंग के कपड़े पहनना बेहद शुभ साबित होगा।
- **बैंगनी रंग** – यह रंग महत्वाकांक्षा और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। आठवें दिन महागौरी की पूजा में बैंगनी रंग पहनना बेहद शुभ माना जाता है।
- **पीकोंक ग्रीन** – यह रंग विशिष्टता और करुणा का प्रतीक है। नवरात्रि के नौवें और अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की उपासना इस रंग के कपड़े पहनकर करनी चाहिए।

घर के मंदिर में भूलकर भी न करें ये गलतियां

हिंदू धर्म में घर के मंदिर का विशेष महत्व होता है और इसे सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वास्तु के अनुसार यदि घर का मंदिर सही दिशा और स्थान पर बना होता है, तो घर में सुख, समृद्धि और सकारात्मकता का माहौल बनेगा। लेकिन घर के मंदिर में होने वाले कुछ गलतियां, जो अज्ञान या लापरवाही से हो सकती हैं, आपके मंदिर की शक्ति को कम कर सकती हैं। यहां हम कुछ ऐसी गलतियां बता रहे हैं, जो आपको ध्यान रखनी चाहिए।

मंदिर से बासी फूल न हटाना
अक्सर देखा जाता है कि मन पूजा में जो भी फूल चढ़ाते हैं उन्हें सुखने के बाद भी हटाना भूल जाते हैं। ऐसे में ये फूल कई दिनों तक चढ़े रहते हैं। अगर वास्तु की मानें तो घर के मंदिर में मुरझाए हुए या बासी फूल रखने से आपके पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता है और ईश्वर को कृपा भी प्राप्त नहीं होती है। जब भी आप नियमित की पूजा करें सबसे पहले बासी फूलों को मंदिर से हटाए उसके बाद देवी-देवताओं को ताजे फूल चढ़ाकर पूजा करें।

मंदिर में जला या गंदा कपड़ा बिछाना

कई बार देखा जाता है कि मंदिर में बिछा कपड़ा मंदिर की ज्योत या फिर माघिस से धर के मंदिर में खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों की पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता है। जैसे ही कोई मूर्ति जाने अनजाने खंडित हो जाए या उसका कोई हिस्सा टूट जाए तो उसे तुरंत मंदिर से हटा दें। ऐसी मूर्ति को आप श्रद्धा पूर्वक विनष्टित करें। उसके स्थान पर आप नई मूर्ति की स्थापना घर के मंदिर में करें और उसकी पूजा करें। अगर आप भी घर में मंदिर में यहां बताई कोई भी गलती करते हैं, तो इस आदत को तुरंत बदल दें। ऐसा करने से आपके पूजा स्वीकार्य होगी और घर में किसी तरह का वास्तु दोष नहीं होगा।

जल जाता है या फिर कई दिनों तक एक ही कपड़ा गंदा होने के बाद भी मंदिर में बिछा रहता है। आपको मंदिर में बिछा कपड़ा सप्ताह में कम से कम एक बार बदलना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर आप रहे हैं, तो हर पूर्णिमा तिथि के दिन मंदिर की सफाई



अवश्य करें। भूलकर भी गंदा कपड़ा इस स्थान पर न बिछाएं।

फटी हुई धार्मिक किताबें रखना
धार्मिक ग्रंथों और पूजा-पाठ की पुस्तकों को घर के मंदिर में सम्मानपूर्वक रखा जाता है। कई बार हम कुछ किताबों को कई दिनों तक नहीं पढ़ते हैं जिससे ये फट जाती हैं। आपको भूलकर भी फटी-पुरानी किताबें घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए। ये नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और आपके पूजा का पूर्ण फल भी नहीं मिलता है।

मंदिर में टूटी हुई मूर्तियां रखना

घर के मंदिर में खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों की पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता है। जैसे ही कोई मूर्ति जाने अनजाने खंडित हो जाए या उसका कोई हिस्सा टूट जाए तो उसे तुरंत मंदिर से हटा दें। ऐसी मूर्ति को आप श्रद्धा पूर्वक विनष्टित करें। उसके स्थान पर आप नई मूर्ति की स्थापना घर के मंदिर में करें और उसकी पूजा करें। अगर आप भी घर में मंदिर में यहां बताई कोई भी गलती करते हैं, तो इस आदत को तुरंत बदल दें। ऐसा करने से आपके पूजा स्वीकार्य होगी और घर में किसी तरह का वास्तु दोष नहीं होगा।

शरीर को फौलादी और सुडौल बनाने वाला योगासन ताड़ासन

योग की दुनिया में एक ऐसा आसन है जो दिखने में जितना सरल है, शरीर के लिए उतना ही जाड़ू है। हम बात कर रहे हैं ताड़ासन की। इस आसन को करते समय जब आप शरीर को ऊपर की ओर खींचते हैं, तो आपकी आकृति एक ऊंचे और मजबूत ताड़ के पेड़ जैसी हो जाती है, इतनीचिए इसे ताड़ासन कहा जाता है। कई लोग इसे 'वृक्षासन' समझते हैं। भूल कर बैठते हैं, लेकिन ध्यान रहे, वृक्षासन में हम एक पैर पर संतुलन बनाते हैं जबकि ताड़ासन में दोनों पैरों का इस्तेमाल होता है। आइए जानते हैं इसे करने का एकदम सटीक तरीका और इसके बेमिसाल फायदे।

कदम-दर-कदम: कैसे करें ताड़ासन
ताड़ासन एक स्ट्रेचिंग योग है, यानी इसे खड़े होकर किया जाता है। इसे सही तरीके से करने के लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें: **शुरुआती प्रोजेक्शन:** जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों एड़ी और पंजों के बीच थोड़ा सा फासला (समानांतर दूरी) रखें। दोनों हाथों को सीधे अपनी कमर से सटाकर रखें। **हाथों की मुव्मेट:** अब धीरे-धीरे अपनी दोनों बाजूओं को कंधों की सीध में लाएं। इसके बाद हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं। **पंजों पर संतुलन:** जैसे ही हाथ ऊपर जाएं, अपनी एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाएं और पूरी सावधानी के साथ अपने पैर के पंजों (Toes) पर खड़े हो जाएं। **फिंगर लॉक:** अब दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा लें (फिंगर लॉक बनाएं) और हथेलियों को आसमान की तरफ फलट दें। इस दौरान आपकी गर्दन बिल्कुल सीधी रहनी चाहिए। **वापस सामान्य स्थिति में कैसे आएं?** हड़बड़ी में नीचे न आएं। सबसे पहले हाथों को वापस कंधों की सीध में लाएं और उसी रफ्तार से अपनी एड़ियों को दोबारा जमीन पर टिका



मददगार: यदि आपके बच्चों की लंबाई कम है, तो यह आसन उनके लिए वरदान है। यह शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करके नेचुरल शारीरिक ग्रोथ को बढ़ावा देता है। **2. लोअर बॉडी को बनाए फौलादी:** इसे नियमित करने से पेशी की ग्रिप सुधरती है। यह आपके पंजों को मजबूत करता है,

एड़ियों का दर्द दूर करता है और पिंडलियों (Calves) को टोन और सख्त बनाता है। **4. आंतरिक ऊर्जा और वीर्यशक्ति में वृद्धि:** पूरे शरीर में खिंचाव पैदा होने के कारण यह आसन शरीर की आंतरिक ऊर्जा को रीचार्ज करता है और वीर्यशक्ति को बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

4. पेट और छाती के रोगों का खाल्ता: जब आप ऊपर की तरफ स्ट्रेच करते हैं, तो पेट और छाती की मांसपेशियों पर गहरा खिंचाव आता है। इससे डाइजेशन सुधरता है, कब्ज जैसी पेट की बीमारियां दूर होती हैं और फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है।



5. पाइल्स (बवासीर) में राहत: यह आसन शरीर के निचले हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन को दुरुस्त करता है, जिससे पाइल्स से पीड़ित मरीजों को दर्द और तकलीफ में काफी आराम मिलता है।



ब्रेन एन्यूरिज्म जागरूकता के रूप में मानाया जाता है। सिंतिबट का महीना। बहुत कम लोग इस समस्या के बारे में जानते हैं कि ब्रेन एन्यूरिज्म युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है। ब्रेन एन्यूरिज्म उस स्थिति को कहते हैं, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली एक वाहिका की दीवार का कमजोर हिस्सा फूलकर गूम्बाएँ जैसा हो जाता है। कई एन्यूरिज्म का पता नहीं चल पाता, क्योंकि उनमें कोई लक्षण नहीं होते और वो सालों तक बिना बदलाव के रह सकते हैं। लेकिन एन्यूरिज्म फटने पर दिमाग के आसपास ब्लीडिंग हो सकती है, जिससे सबर्क्नेड हेमरेज कहा जाता है। यह जानलेवा आपातस्थिति बन सकती है। लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के रह सकता है। कई मामलों में ड्रविका पहला संकेत आनाक एन्यूरिज्म का फटना और मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता है।

अचानक तेज सिरदर्द को न करें नजरअंदाज

ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण
ब्रेन एन्यूरिज्म के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। एन्यूरिज्म फटने पर आमतौर पर अचानक बेहद तेज सिरदर्द होता है, जो कुछ सेकंड या मिनटों में अपनी चरम तीव्रता तक पहुंच जाता है। इसके साथ उल्टी, गर्दन में अकड़न, बेहोशी, दीरे, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में परेशानी, देखने से जुड़ी समस्या या भ्रम जैसी स्थिति भी हो सकती है। कुछ मामलों में एन्यूरिज्म फटने से पहले भी लक्षण दिखाई दे सकते हैं। खासकर जब एन्यूरिज्म बड़ा होकर आसपास की नसों पर दबाव डालने लगे। ऐसे में आंख के आसपास लगातार दर्द, दोहरा दिखाई देने लगता है, पलक का झुकना या आंखों की रोशनी और आंखों की गतिविधियों में अचानक बदलाव हो सकता है। इन लक्षणों को कई बार माइग्रेन, आंखों की थकान या लंबे समय तक स्क्रीन देखने से जोड़ दिया जाता है। लेकिन अचानक या असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण दिखाई देने पर

डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

उम्र के साथ अन्य जोखिम कारक

ब्रेन एन्यूरिज्म के खतरे को सिर्फ उम्र से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। परिवार में किसी करीबी सदस्य को ब्रेन एन्यूरिज्म रहा हो, कुछ आनुवंशिक बीमारियां, हाई ब्लड प्रेशर और तंबाकू का सेवन जोखिम बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में ब्रेन एन्यूरिज्म का इतिहास रहा है, उन्हें डॉक्टर से इसके बारे सलाह लेनी चाहिए। युवाओं को भी नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच, शारीरिक गतिविधि बनाए रखने और तंबाकू से दूर रहने की आदत डालनी चाहिए।

जांच से स्थिति का समय पर पता लगाया जा सकता है

ब्रेन एन्यूरिज्म की आशंका होने पर सीटी एंजियोग्राफी या एमआर एंजियोग्राफी के जरिए इसकी पहचान और जांच की जा सकती है। कुछ मामलों में और अधिक जानकारी के लिए डिजिटल सट्रेस्थन एंजियोग्राफी (डीएस) की जरूरत पड़



सकती है। यदि एन्यूरिज्म का पता चलता है तो उसके आकार, स्थान और बनावट के साथ मरीज की उम्र, फैमिली हिस्ट्री और स्वास्थ्य की स्थिति को ध्यान में रखकर इलाज किया जाता है। कम उम्र के मरीजों में इसकी जांच इसलिए भी जरूरी है क्योंकि उन्हें लंबे समय तक इस स्थिति के साथ रहना पड़ सकता है। कुछ एन्यूरिज्म की नियमित इमेजिंग के जरिए निगरानी की जा सकती है, जबकि कुछ मामलों में फटने या दोबारा ब्लीडिंग के खतरे को कम करने के लिए इलाज जरूरी हो सकता है। एन्यूरिज्म की जगह और उसकी स्थिति के आधार पर उपचार में एंडोवेस्कुलर

प्रक्रिया या सर्जिकल क्लिपिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है। एंडोवेस्कुलर ट्रीटमेंट में रक्त वाहिकाओं के रास्ते दिमाग पहुंचकर एन्यूरिज्म का उपचार किया जाता है। **हर सिरदर्द को ब्रेन स्कैन की जरूरत नहीं**
जागरूकता का मतलब यह नहीं है कि हर सिरदर्द में ब्रेन स्कैन कराया जाए या युवाओं में अनावश्यक डर पैदा हो। जरूरी यह है कि व्यक्ति उन लक्षणों को पहचाने जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और यह समझे कि किन परिस्थितियों में जोखिम बढ़ सकता है। ब्रेन एन्यूरिज्म युवाओं में अपेक्षाकृत कम हो सकता है, लेकिन केवल उम्र के आधार पर इसे पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, खासकर जब लक्षण अचानक, गंभीर या असामान्य हो। इसलिए चेतावनी संकेतों को समझे, परिवार में बीमारी के इतिहास की जानकारी रखें और अचानक तेज या असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

जेएनयू में छात्राओं से दुर्व्यवहार का मामला

दुर्ग में भाजपा महिला मोर्चा का उग्र प्रदर्शन, कांग्रेस भवन का किया घेरावस



दुर्ग। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में मणिपुर के कांग्रेस सांसद पर छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार के गंभीर आरोपों को लेकर दुर्ग में सियासत गरमा गई है।

इस मामले के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा दुर्ग जिला इकाई ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उग्र प्रदर्शन किया और एक बड़े आंदोलन का बिगुल फूंक दिया।

सोमवार की शाम आक्रोशित महिला

मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपापुरा स्थित जिला भाजपा कार्यालय में एकजुट हुईं। यहाँ से रणनीति के तहत सभी कार्यकर्ता हाथों में कांग्रेस विरोधी तख्तियाँ, पोस्टर और बैनर लेकर रैली की शकल में सड़कों पर उठीं। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे पूरी सड़क भाजपा महिला मोर्चा के नारों से गूँज उठी।

भवन का घेराव कर जताया कड़ा विरोध- भाजपा महिला मोर्चा का यह



आक्रोशित कारवां सोधे दुर्ग स्थित कांग्रेस भवन (राजीव भवन) पहुँचा, जहाँ कार्यकर्ताओं ने दफ्तर का जोरदार घेराव कर दिया। कांग्रेस कार्यालय के सामने एकत्रित होकर महिला मोर्चा की सदस्यों ने जमकर प्रदर्शन किया और आरोपी सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

शिक्षा के मंदिर में ऐसा कृत्य शर्मनाक: महिला नेत्री- प्रदर्शन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग जिलाध्यक्ष तुषि चंद्राकर ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला

बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मंदिर जेएनयू में छात्राओं के साथ हुआ यह कृत्य बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। इतने गंभीर आरोप लगने के बाद भी कांग्रेस इस पूरे मामले पर मौन साधे बैठी है, जो उसकी असंवेदनशीलता को दर्शाता है। संगठन की पदाधिकारियों ने साफ-चेतावनी दी है कि जब तक पीड़ित छात्राओं को पूरी तरह न्याय नहीं मिल जाता, भाजपा महिला मोर्चा का यह आंदोलन थमने वाला नहीं है।

नवरात्रि में डोंगरगढ़ पदयात्रियों से गुलजार हुई सड़कें

- शिवनाथ नदी रोड पर सजा भव्य सेवा पंडाल
- रोजाना हजारों भक्तों को मिल रहा भोजन और फ्लाहार

दुर्ग। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए भक्तों का भारी सैलाब उमड़ पड़ा है। रायपुर, भिलाई और दुर्ग समेत छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का जत्था पदयात्रा करते हुए माता के दरबार की ओर लगातार बढ़ रहा है। दिन हो या रात, आस्था के इन पथिकों के कदम बिना थके बस मां बम्लेश्वरी के धाम की ओर अग्रसर हैं, जिससे दुर्ग की सड़कों पर आस्था का एक विहंगम नजारा देखने को मिल रहा है।

इन श्रद्धालुओं के थके हुए कदमों को राहत देने और उनकी सेवा के लिए दुर्ग शहर के लार्ज क्लब मिडटाउन, खंडेलवाल समाज और अग्रवाल समाज के संयुक्त सहयोग से शिवनाथ नदी रोड पर एक भव्य एवं विशाल सेवा पंडाल लगाया गया है।

भोजन, फ्लाहार और चिकित्सा के उत्तम प्रबंध- इस सेवा पंडाल में रोजाना हजारों पदयात्रियों के लिए निशुल्क फ्लाहार, शुद्ध भोजन, पेयजल और दवाइयों की विशेष व्यवस्था की



गई है। लंबा सफ़र तय कर पैरों में छल्लों और बदन दर्द से बेहाल पहुँच रहे पदयात्री यहाँ कुछ देर विश्राम कर अपनी थकान मिटा रहे हैं। सेवा पंडाल में समाज के सेवाभावी लोग दिन-रात एक कर इन भक्तों की मनुहार कर सेवा में जुटे हुए हैं।

5 वर्षों से जारी है सेवा का यह सिलसिला- पंडाल के प्रभारी प्रहलाद रंगटा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से

लगातार दोनों नवरात्रि (चैत्र और शारदीय) के पावन अवसर पर यहाँ भव्य सेवा पंडाल लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से होकर हर साल सैकड़ों-हजारों की संख्या में श्रद्धालु डोंगरगढ़ की ओर प्रस्थान करते हैं, जिन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पंडाल में आराम से लेकर प्राथमिक चिकित्सा तक के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

महापौर परिषद की बैठक में सफाई, स्ट्रीट लाइट, मांगलिक भवन संचालन सहित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई में महापौर परिषद की बैठक महापौर नौरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त सुर्जित सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, स्ट्रीट लाइट के संधारण, विज्ञापन बोर्ड, आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंडों के अंतरण, मांगलिक भवन के संचालन तथा जलभराव और प्रदूषित जल की समस्या के समाधान सहित मैदान, मार्ग, डेमशेड, डमर्रीकरण एवं नाली निर्माण पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर परिषद के सदस्यों ने प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करते हुए संबंधित कार्यों के लिए सहमति प्रदान की। बैठक में जेन क्रमांक-03 अंतर्गत संतोषी पारा स्थित डॉ. भीमराव



अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन को संचालन, प्रबंधन एवं संधारण के लिए 10 माह की अवधि हेतु दिए जाने के प्रस्ताव को सहमति दी। इस पहलू का उद्देश्य मांगलिक भवन का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना तथा नागरिकों को सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना है। छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम भवनभूमि के कर योग्य संपत्ति

मूल्य निर्धारण नियम, 2021 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भवन एवं भूमि के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण किए जाने के विषय पर भी चर्चा की गई। संपत्तियों के मूल्य निर्धारण से संबंधित प्रस्ताव पर परिषद के सदस्यों ने सहमति दी। प्रचलित दर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से एसएलआरएम

सेंटर्स में एकत्रित कचरे के पुथकरण तथा गीले कचरे से खाद तैयार करने के कार्य पर चर्चा पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई।

कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने, गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग करने तथा गीले कचरे का उपयोग खाद बनाने में करने से स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

इससे कचरे के उचित निपटान और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। निगम क्षेत्र में मार्ग प्रकाश व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगी स्ट्रीट लाइटों के वार्षिक संचालन, संधारण एवं रखरखाव कार्य पर विचार किया गया। शहर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखना नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

दो माताओं का धरा पर हुआ मिलन... धन्य हुआ हर भक्त का जीवन

सती चौरा में गंगा आरती के साथ फूलों की वर्षा



दुर्ग। आस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास की नगरी दुर्ग आज एक ऐसे ऐतिहासिक और अलौकिक क्षण की गवाह बनी, जिसे देखकर हर भक्त का हृदय भक्ति-रस में सराबोर हो उठा।

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार, 11 अक्टूबर को दुर्ग के गंजपारा स्थित शनिचरी

रोड पर 'वृत्ति एवं भक्ति का दिव्य संगम' पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। वर्षों पुरानी परंपरा को पूरी निष्ठा से निभाते हुए इस वर्ष भी दो महामाताओं का अलौकिक मिलन देखने को मिला।

दुर्गा धाम (पुरानी गंजमंडी, गंजपारा) एवं सतीचौरा धाम (सतीचौरा) की पावन और



मनमोहक प्रतिमाएँ जब लोकव्यू मोड़ के सामने एक मंच पर आमने-सामने आईं, तो पूरा इलाका आकाशभेदी जयकारों से गूँज उठा। इस स्वर्णिम दृश्य को अपनी आंखों में बसाने और माता रानी का आशीर्ष पाने के लिए शनिचरी रोड पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। समस्त गंजपारा वासियों और

आयोजकों की ओर से की गई भव्य व्यवस्था के बीच, श्रद्धालुओं ने दोनों माताओं की संयुक्त महाआरती उतारी और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अद्भुत और भव्य नजारे ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दुर्ग की नवरात्र संस्कृति पूरे प्रदेश में अद्वितीय और ऐतिहासिक है।



पीडब्ल्यूडी, सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू

अंबिकापुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देश के बाद अंबिकापुर में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की मुहिम नेज हो गई है। सरगुजा प्रवास के दौरान सड़कों की बदहाल स्थिति सुधारने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के उनके निर्देशों पर लोक निर्माण विभाग ने अमल शुरू कर दिया है। शहर के महामाया चौक से लरंग साय चौक तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की बीटी पैच मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई है। विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 में वार्षिक संधारण मद से 3 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इस राशि से लोक निर्माण विभाग के अंबिकापुर संधारण के विभिन्न मार्गों के कुल 150 किलोमीटर हिस्सों का संधारण किया जाएगा। सभी निर्धारित मरम्मत कार्यों को दिसम्बर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने सरगुजा प्रवास के दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि सड़कों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत की जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों में तेजी लाने और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया था। उनके निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर सड़कों की मरम्मत के कार्य शुरू कर दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने अंबिकापुर में महामाया चौक से लरंग साय चौक तक बीटी पैच मरम्मत का काम प्रारंभ किया है।

अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों का सहारा, चार माह में 23 हजार मरीजों की 87 हजार जांचें मुफ्त

- राज्य शासन की पहल और जिला प्रशासन के प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, जल्द शुरू होगा एक और आधुनिक जांच सुविधा
- अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों के लिए वरदान, महज चार माह में 23 हजार मरीजों की 86 हजार 975 निःशुल्क जांचें

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल से शासकीय अस्पतालों में आधुनिक

जिला अस्पताल सारंगढ़ में 134 प्रकार की निःशुल्क जांच सुविधाएं, निजी लैब के खर्च से मरीजों को मिल रही राहत



चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में संचालित अटल आरोग्य लैब मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

यहां महज चार माह में 23 हजार 001 मरीजों की विभिन्न प्रकार की 86 हजार 975 पैथोलॉजी जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गई हैं। इससे मरीजों को निजी प्रयोगशालाओं में जांच कराने के लिए होने वाले खर्च से राहत मिलने के साथ ही स्थानीय

स्तर पर बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल ने नेतृत्व एवं आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार रात्रे के

पर्यवेक्षण में अटल आरोग्य लैब का संचालन किया जा रहा है। अत्याधुनिक जांच मशीनों से सुसज्जित इस प्रयोगशाला में वर्तमान में 134 प्रकार की उच्चस्तरीय पैथोलॉजी जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों को विभिन्न जांचों के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता कम हुई है। अटल आरोग्य लैब की इस उपलब्धि में पैथोलॉजिस्ट डॉ.

रमेश साहू सहित प्रयोगशाला में कार्यरत सभी चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। चिकित्सकीय दल द्वारा मरीजों को समय पर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। चार माह की अवधि में बड़ी संख्या में मरीजों की जांच होना जिला चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के व्यापक उपयोग को दर्शाता है। सिविल सर्जन डॉ. दीपक

जायसवाल ने बताया कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिला चिकित्सालय में मरीजों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आवश्यक जांच के लिए निजी प्रयोगशालाओं में अधिक राशि खर्च करने के बजाय जिला चिकित्सालय में उपलब्ध निःशुल्क अटल आरोग्य लैब की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि मरीजों को और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अटल आरोग्य लैब में शीघ्र ही सुक्ष्मजीव विज्ञान (माइक्रोबायोलॉजी) जांच की सुविधा भी निःशुल्क प्रारंभ करने की तैयारी है। इससे विभिन्न प्रकार के संक्रमण एवं जटिल बीमारियों की पहचान में सहायता मिलेगी तथा मरीजों को जांच के लिए बड़े शहरों या निजी प्रयोगशालाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

शारदीय नवरात्रि पर दुर्ग जिले में उमड़ा आस्था का सैलाब

मां चंडी मंदिर में नवरात्र पर प्रज्वलित हुए 2500 ज्योति कलश

दुर्ग। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही दुर्ग जिले के देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। चारों ओर का माहौल भक्तिमय नजर आ रहा है। इस पावन मौके पर दुर्ग के शिवपारा स्थित प्राचीन मां चंडी मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया है, जिसका अपना एक अनूठा ऐतिहासिक महत्व है। बताया जाता है कि यह मंदिर दुर्ग जिले के गठन से भी सैकड़ों वर्ष पुराना है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जिस दौर में दुर्ग क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था, उस समय से यहां मां चंडी विराजमान हैं और लोगों की



आस्था का केंद्र बनी हुई हैं। मंदिर परिसर में एक रहस्यमयी कुंड भी स्थित है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसमें पूरे साल पानी भरा रहता है और वह कभी नहीं सूखता। मां चंडी मंदिर की महिमा इतनी है कि यहाँ हर साल चैत्र और शारदीय नवरात्रि के दौरान करीब 2500 ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं। इस वर्ष भी आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए मंदिर में ज्योत स्थापित करवाई है, जिनकी देखरेख और पूजन पूरी श्रद्धा के साथ किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत सचिव भर्ती हेतु अंतिम चयन सूची जारी

कांकर। जिले में ग्राम पंचायत सचिव के कुल 27 पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत संशोधित मेरिट सूची एवं अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत सचिव भर्ती के लिए 08 अक्टूबर को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), माकड़ी में कौशल परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके उपरान्त मेरिट सूची जारी की गई थी। अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का पुनः सत्यापन किया गया। सत्यापन के उपरान्त संशोधित मेरिट सूची तैयार करते हुए वर्गवार अंतिम चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जारी की गई है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरेश मंडवी ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मेरिट सूची के अनुसार अभ्यर्थियों के सभी दस्तावेजों का पुनः सत्यापन किया गया। इसके पश्चात संशोधित मेरिट सूची, वर्गवार अंतिम चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी जारी सूची का अवलोकन जिला उत्तर बस्तर कांकर की आधिकारिक वेबसाइट kanker.gov.in पर कर सकते हैं। चयन सूची के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों के पदस्थापना आदेश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।